A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 03 नवम्बर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 64, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार चुनाव : आरक्षित सीटों पर दलितों को कौन जीतेगा?

समी अहमद

बिहार चुनाव में आरक्षित सीटें निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। एनडीए और महागठबंधन दोनों ही दलित मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। तो कौन-सा गठबंधन दलितों का भरोसा जीतने में आगे है। बिहार विधानसभा चुनाव की गहमागहमी में जो चर्चा पीछे छूट जा रही है, वह है यहां अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दो सीटें। 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 40 आरक्षित सीटों का महत्व चुनावी विश्लेषण में कम आँका जा रहा है, हालाँकि 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीटों का जो अंतर था उसका 40 फ़ीसदी हिस्सा इन्हीं आरक्षित सीटों से आया था।

2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 21 सीटें जीती थीं जबकि महागठबंधन ने 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। चार सीटों का यह अंतर दोनों गठबंधनों द्वारा जीती गई सीटों के अंतर का चालीस प्रतिशत बनता है। तब एनडीए ने 125 सीटें जीतीं जबकि महागठबंधन 10 सीटों से पीछे रह गया था और उसे 115 सीटें मिली थीं।

2020 में बीजेपी ने 9 एससी आरक्षित सीटें जीती थीं जबकि जदयू ने 8 ऐसी सीटें हासिल की थीं और जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा ने 3 एससी सीटें जीती थीं। मुकेश सहनी की वीआईपी को एक सीट मिली थी जो पिछले चुनाव में एनडीए का हिस्सा थी। पिछले चुनाव में आरजेडी ने 10 एससी सीटों पर जीत हासिल की, कांग्रेस को दो एससी सीटें मिली थीं और वाम दलों को पांच सीटें मिली थीं।

हालाँकि, पिछली बार दलित राजनीति का एक प्रमुख चेहरा चिराग पासवान एनडीए के पास नहीं था, लेकिन पिछली बार उनकी पार्टी का जोर चुनाव जीतने से ज़्यादा नीतीश कुमार के उम्मीदवारों को हराने पर था। इस बार एनडीए के पास जीतन राम मांझी के साथ-साथ चिराग पासवान भी हैं।

यह बात भी ध्यान देने की है कि 2023 के बिहार जातीय सर्वेक्षण के अनुसार दलित या अनुसूचित जातियों की संख्या बिहार की कुल आबादी का 19.6 फीसदी हिस्सा थी। माना जा रहा है कि 2011 की जनगणना से यह संख्या ठीक-ठाक बढ़ी है क्योंकि तब उनकी संख्या 15.9 प्रतिशत मानी गई थी।

बिहार के मतदाताओं की कुल संख्या 7.4 करोड़ है लेकिन समझा जाता है कि अनुसूचित जाति के वोटरों की संख्या उनकी आबादी की तुलना में कुछ कम है। आरोप लगाया जा रहा है कि वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान जिन लोगों के नाम कटे हैं, उनमें अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या अधिक है, हालांकि उनका कोई स्पष्ट आंकड़ा सामने नहीं आया है।

इस बार के चुनाव में एनडीए की तरफ़ से जदयू सबसे ज़्यादा 15 आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ रहा है जबकि भाजपा ने ऐसी 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार दिए हैं। एनडीए में दोबारा शामिल होने वाले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 8 आरक्षित सीटों पर उम्मीदवार खड़े करने का मौका मिला है जबकि जीतन राम मांझी की पार्टी से चार उम्मीदवार आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

जिस तरह एनडीए में आरक्षित सीटों पर जदयू का दबदबा है, उसी तरह महागठबंधन में यह पलड़ा आरजेडी की ओर झुका हुआ है, जो 20 एससी सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस को ऐसी 11 सीटें मिली हैं। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को 6, सीपीआई को 2 और वीआईपी को 1 एससी सीट मिली है। आरजेडी चूंकि सबसे ज्यादा 143 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है इसलिए एसएससी सीटों पर भी उसी के उम्मीदवार ज्यादा हैं। दूसरी तरफ ऐसी कुछ सीटों पर फ्रेंडली फाइट की बात भी सामने आई है।

वैसे, कुल मिलाकर दलित वोट 50-60 सीटों को प्रभावित कर सकते हैं, जो उन्हें एनडीए और महागठबंधन के बीच द्विध्रुवीय लड़ाई में निर्णायक बनाते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि कुछ सीटों पर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी परिणाम को प्रभावित कर सकती है।

बिहार के जटिल जातीय समीकरण में दलितों को एक निर्णायक समूह माना जाता है लेकिन नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके बीच भी एक विभाजन नज़र आता है। नीतीश कुमार ने राजनीतिक लाभ-हानि को देखते हुए दलित वर्ग को महादलित और दलित में बताकर रामविलास पासवान की जाति दुसाध को कुछ ऐसी सुविधाओं से अलग रखा था, जिन्हें महादलित के नाम पर दिया गया था। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इस मुद्दे पर दिवंगत रामविलास पासवान के बाद चिराग पासवान भी नीतीश कुमार से खार खाए रहते हैं।

दलितों में दुसाध या पासवान की संख्या सबसे बड़ी 5.31 फीसद दर्ज की गई है, जिसपर चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की अच्छी पकड़ मानी जाती है। पासवान जाति से कुछ कम आबादी रविदास की है जो 5.25 दर्ज की गई है। इनके वोट पर राजद और कांग्रेस की अच्छी पकड़ मानी जाती है। जीतन राम मांझी की जाति मुसहर की आबादी लगभग तीन प्रतिशत दर्ज है। इनके बाद छोटे समूह जैसे डोम 2.10 प्रतिशत और पासी 1.50 फीसद हैं।

सीटों के आरक्षण की वजह से दलितों को विधानसभा में तो अच्छा प्रतिनिधित्व मिल जाता है, लेकिन उनके राजनीतिक सशक्तीकरण की बात अब भी हाशिए पर है। राजनीति में उनके पास संवैधानिक रूप से आरक्षित सीटों से परे शायद ही कोई प्रतिनिधित्व है।

विश्लेषक मानते हैं कि पिछले साढ़े तीन दशक से ओबीसी और ईबीसी राजनीति में छाए हुए हैं। हालाँकि 1990 के दशक में लालू के शासन के पहले पांच वर्षों ने उनमें यह उम्मीद जगाई थी कि राजनीति में सवर्ण जातियों की पकड़ को कुछ ढीला किया जा सकता है। उनकी यह उम्मीद कुछ हद तक पूरी भी हुई क्योंकि इससे हाशिए पर रहे दलित जैसे समूहों को आवाज मिली।

दूसरी ओर यह भी माना जाता है कि लालू-राबड़ी शासन के पंद्रह वर्षों के दौरान दलित इस चरण से आगे नहीं बढ़ सके। उदारीकरण और राज्य के बाहर निजी क्षेत्र के विकास के साथ दलितों का पलायन कई गुना बढ़ गया और यह उनकी आजीविका का मुख्य आधार बन गया है।

जब नीतीश कुमार विकास के वादे के साथ सत्ता में आए तो दलितों ने बड़े पैमाने पर अपनी निष्ठा बदल ली और अब तक उन्होंने मुख्य रूप से एनडीए गठबंधन को वोट दिया है। हालांकि, विकास अभी भी उनसे दूर है। ओबीसी उनके सामाजिक दमनकर्ताओं की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। आम बोलचाल में, आरजेडी यादवों की पार्टी है, जेडीयू कुर्मी और ईबीसी की तथा बीजेपी सवर्ण जाति-बनिया पार्टी है। इसलिए दलित विधायकों का अपनी पार्टी और सरकार के भीतर सीमित प्रभाव होता है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जंगलराज में ज्यादा वेतन मतलब आरजेडी को मिलेगी ज्यादा रंगदारी

● तेजस्वी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा लगाकर सीएम पद लिया

पीएम ने कहा-महागठबंधन के अंदर आपस में भयंकर खींचतान है

आरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान महागठबंधन के अंदर काफी खींचतान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि चुनाव के पहले मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान हो, लेकिन राजद की ओर से विवश कर दिया गया। पीएम मोदी रविवार को आरा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अंदर की बात बताते हुए कहा कि महागठबंधन में आरजेडी और कांग्रेस में भयंकर झगड़ा है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में नामांकन दाखिल की प्रक्रिया समाप्त होने के एक दिन पहले कट्टा रखकर सीएम फेस पर हामी भरवाई गई।

● **धमाके पाकिस्तान में,नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- अब भारत, आतंकियों को घर में घुसकर मारेगा। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर हुआ, हमने फिर से अपनी गारंटी पूरी करके दिखाई। ऑपरेशन सिंदूर से आपको गर्व हुआ, आपका सीना चौड़ा हुआ, लेकिन कांग्रेस-आरजेडी को ये पसंद नहीं आया। धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे और नींद, कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी। आज तक पाकिस्तान और कांग्रेस के नामदार दोनों ही, ऑपरेशन सिंदूर के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए हैं।

आर्टिकल-370 की दीवार गिराने की गारंटी दी थी

पीएम मोदी ने कहा- मोदी ने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल-370 की दीवार गिराने की गारंटी दी थी। आजादी के 70 साल बाद, ये काम पूरा हुआ। आज जम्मू कश्मीर में भी भारत का संविधान पूरी तरह से लागू हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा- हमारी सरकार छोटे किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 6,000 रुपये देती है। अब बिहार की नई एनडीए सरकार इसमें 3,000 रुपये और बढ़ाने वाली है। बिहार में पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए बिहार दुग्ध मिशन की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- एक समय था, जब बिहार अपने लिए दूसरे राज्यों से मछली मंगवाता था। ये एनडीए सरकार की नीतियों का नतीजा है कि अब बिहार दूसरे राज्यों को मछली बेचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- हमारा संकल्प है कि बिहार का युवा, बिहार में ही काम करेगा, बिहार का नाम करेगा। इसके लिए हमने एक करोड़ रोजगार देने का ऐलान किया है।

भारतीय सेना अरुणाचल के पहाड़ों में करेगी एक्सरसाइज

● आर्मी, एयरफोर्स और अपनी नेवी नई युद्ध क्षमता को परखेंगे ● ड्रोन और हाई-टेक सिस्टम का इस्तेमाल होगा, पूरी है तैयारी

इटानगर (एजेंसी)। भारतीय सेना इस महीने अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रही है। इसका नाम पूर्वी प्रचंड प्रहार है। यह थलसेना, नौसेना और वायुसेना का संयुक्त अभ्यास होगा। इसका मकसद भविष्य के युद्धों के लिए तालमेल, तकनीकी क्षमता और तेज प्रतिक्रिया की तैयारी को और मजबूत करना है। इसमें तीनों सेनाएं ड्रोन से लेकर हाई-टेक सिस्टम तक का इस्तेमाल करेंगी। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि यह अभ्यास मेचुका के पहाड़ी इलाके में होगा। उन्होंने कहा कि यह एक फॉरवर्ड-लुकिंग एक्सरसाइज है। इसमें तीनों सेनाओं के बीच जमीनी, हवाई और समुद्री मोर्चों पर इंटीग्रेशन और को-ऑर्डिनेशन को परखा जाएगा। इस दौरान सेनाएं अपने स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन सिस्टम, प्रिसिशन वेपन और नेटवर्क आधारित कंट्रोल सेंटर के जरिए एक साथ ऑपरेशन करने की क्षमता

दिखाएंगी। यह सब कुछ रियल टाइम हाई-एल्टीट्यूड (ऊंचाई वाले) हालातों में किया जाएगा। इससे हर परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने की तैयारी सही और सटीक हो सकेगी। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि यह एक्सरसाइज भारतीय सेनाओं के संकल्प की है।

शरद की सुबह

घर की दहलीज पर
ठीक वर-निकासी के समय
माथे की बलैया लीं आठों उंगली
चटकाई खुद के सिर पर
बेटे को छाती से लगाया
पपड़ाये होंठों से वर का माथा चूमा
बार-बार चूमे गाल
और डबडबा गईं माँ की आँखें...
अरे,
आल्हाद के अवसर पर
यह कैसा अवसाद!
आँसुओं को पल्लू पर
सोखते हुए
बुदबुदायी माँ-
लड़की ही नहीं लड़का भी
पराया हो जाता है शादी के बाद
इस पर अब
कितना अविश्वसनीय
विषमय होता जा रहा है अमृतमय
वैवाहिक जीवन।

-वसंत सकरगाए

वॉश ऑन व्हील सेवा से स्वच्छता सेवाओं में तकनीकी नवाचार को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री

अभ्युदय मध्यप्रदेश अंतर्गत वॉश ऑन व्हील मोबाइल ऐप हुआ लांच

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने म.प्र. 70वें स्थापना दिवस पर 'वॉश ऑन व्हील' मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, की इस अभिनव पहल से स्वच्छता सेवाओं में तकनीकी नवाचार को नई दिशा मिलेगी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) पंचायत एव ग्रामीण विकास विभाग, द्वारा प्रारंभ की गई 'स्वच्छता साथी - वॉश ऑन व्हील सेवा' एक ऐसी अनोखी पहल है जो प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल ऐप के माध्यम से व्यक्तिगत एव संस्थागत शौचालयों की साफ़-सफाई की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराती है। यह एक ऐसा नवाचार है जो शौचालयों की साफ़-सफाई

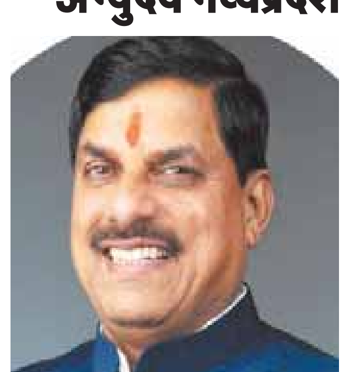

के काम को एक आधुनिक समाधान प्रदान करता है। प्रथमतः यह नवाचार छिंदवाड़ा जिले से प्रारंभ किया गया जिसे NIC-MP के सहयोग से मोबाइल एप तैयार कर राज्य स्तर पर लागू किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने बताया कि 'स्वच्छता साथी - वाश ऑन व्हील' की प्रमुख विशेषता ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की साफ़-सफाई हेतु सुलभ, किफायती एवं त्वरित सेवा प्रदान करना है। प्रेशर मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों एवं सुरक्षा किट के उपयोग से प्रभावी सफ़ाई होगी। प्रशिक्षित स्वच्छता साथियों के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक आजीविका के अवसर मिलेंगे। दो-पहिया वाहनों द्वारा त्वरित पहुँच सेवा प्रदान की जाएगी। क्लस्टर-आधारित सेवा वितरण मॉडल द्वारा स्थायी स्वच्छता प्रबंधन किया जाएगा। इस सेवा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों के नियमित उपयोग को बढ़ावा देना भी है। साथ ही घरेलू, संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों में स्वच्छता प्रबंधन को सुदृढ़ करना और स्वच्छता साथियों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सतत आजीविका उपलब्ध कराना है।

मोबाइल से होगी ऑनलाइन बुकिंग

वॉश ऑन व्हील मोबाइल ऐप के माध्यम से शौचालय सफ़ाई के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। यह एसएमएस आधारित सरल लॉगिन प्रणाली है। ऐप के माध्यम से सटीक लोकेशन चयन की जानकारी फीड है। सुविधा अनुसार दिनांक एवं समय का चयन किया जा सकता है। इस ऐप के माध्यम से बुकिंग की रीयल-टाइम ट्रैकिंग भी होगी। सेवा के बाद फीडबैक दर्ज करने की भी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। सेवा उपरांत जियोटैगिंग द्वारा ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी रखी गई है।

बिहार की तरह पूरे देश के वोटर लिस्ट का होगा शुद्धिकरण

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले-मां के कहने पर कानपुर आया हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकेले बिहार में अब तक विश्व का सबसे बड़ा वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान चला है। जिस दिन अन्य राज्यों में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण होगा, वह भी एक ऐतिहासिक कार्य होगा। जब यह प्रक्रिया पूरे देश में पूरी होगी, तब आपको न सिर्फ अपने चुनाव आयोग पर, बल्कि अपने मुख्य आयुक्त और अपने समाज के ज्ञानेश कुमार पर भी गर्व होगा। ये बातें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कही। रविवार को वे आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं अपनी मां की बात नहीं टालता हूं। उन्हीं के कहने पर मैं यहां आया हूं। कार्यक्रम में

उन्होंने आईआईटी में पढ़ाई के दिनों के किस्से, कानपुर से जुड़ा अपनापन और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा- बिहार में विश्व का अब तक का सबसे बड़ा मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यक्रम चलाया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले स्वरूप नगर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। ज्ञानेश कुमार ने कहा- मैंने अपनी माता जी से कहा था कि बिहार चुनाव के चलते आने की संभावना नहीं है।

● **बिहार चुनाव में हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी-** ज्ञानेश कुमार ने कहा, यह समय बिहार चुनाव का है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट की अपील कर रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष सभी समान हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर और मतगणना 14 नवंबर को होगी। मैं मतदाताओं से अपील करता हूं कि चुनाव के इस पर्व को उत्सव की तरह मनाएं और सभी लोग अपने मत का प्रयोग जरूर करें। जहां तक हिंसा की बात है, चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अमेरिका जाने का सपना अधूरा रह गया

मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पत्नी अनुराधा के साथ कानपुर पहुंचे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया-काशी के घाट से गंगा में तैरीकी सीखने वाला एक लड़का जो बनारस के राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में पढ़ता है, वहां से 10वीं का एग्जाम देता है। इसके बाद पिता के ट्रांसफर के साथ घूमता रहता है। फिर वह लखनऊ आ जाता है, यहां गवर्मेंट कॉलेज में पढ़ता है फिर आईआईटी कानपुर में पढ़ने चला जाता है। पढ़ते-पढ़ते बीच में हम केरल भी चला जाते हैं। केरल आईआईटी कानपुर या दिल्ली से उतना ही दूर है जितना कि यहां से अमेरिका।

सुबह सवेरे
भोपाल ■ सोमवार, 03 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

तूफान मोन्था का असर खत्म, अब बारिश नहीं, ठंड बढ़ेगी

राजस्थान-एमपी में बारिश संभव,दिल्ली में हवा हुई प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोन्था तूफान का असर लगभग खत्म हो गया है। इसके रूट में आने वाले राज्यों में अब बारिश नहीं होगी। हालांकि राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक पहाड़ी राज्यों और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान में गिरावट होगी, जिससे ठंड बढ़ेगी। हिमाचल में 4 और 5 नवंबर को बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। तीन नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होगा। फिलहाल कुकुमसेरी में तापमान माइनस 1.2 और ताबो में माइनस 0.8 चल रहा है। इधर, राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई

इलाकों में प्रदूषण गंभीर होता जा रहा है। रविवार को हवा क्वालिटी और बिगड़ गई। एनसीआर और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया है। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीएक्यूएम के आदेश को लागू करते हुए दिल्ली सरकार ने शनिवार को बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल वाहनों ट्रक, टेम्पो, लोडर आदि डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया है।

गुजरात में भारी बारिश के चलते गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द

गुजरात के सौराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। बेमौसम बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित जूनागढ़ जिला प्रभावित है। इसके चलते जूनागढ़ में हर साल एकादशी के बाद होने गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से हरी झंडी मिलने तक परिक्रमा मार्ग पर प्रवेश न करने की अपील की है, और सुरक्षा कारणों से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को परिक्रमा में न आने के लिए कहा गया है। गिरनार की लीली परिक्रमा 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित थी। यह परिक्रमा भजन, भक्ति और भोजन का संगम है।

ठंड बढ़ेगी,4 नवंबर से ऐक्टिव होगा वेस्टर्न डिस्टरबेंस

पंजाब में रात के तापमान में 1.6 डिग्री की गिरावट देखने को मिली है। 4 नवंबर को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसके बाद पहाड़ों पर बर्फबारी व बारिश की संभावना हैं। पंजाब में भी इस वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर होगा और हिमाचल से सटे जिलों में बारिश हो सकती है लेकिन, इससे प्रदूषण से राहत मिलती नहीं दिख रही। यूपी में तीन दिन के बाद बारिश तो थम गई है, लेकिन धान की फसलें अभी भी डूबी हैं। कहीं पक कर कटने को तैयार धान की फसल गिर गई है।

जनसंख्या नीति जल्द लाने की जरूरत, तभी दूर होगा असंतुलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्र सरकार से जनसंख्या नीति जल्द तैयार करने की अपील की है, ताकि जनसांख्यिकीय असंतुलन को सुधारा जा सके। होसाबले ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक के अंतिम दिन यह बयान दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सरकार ने इसे खुले मंच पर और संसद में भी उल्लेख किया है। वो जनसंख्या नीति जितनी जल्दी होगी, उतना ही उसका लाभ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का जिक्र किया था। उन्होंने इससे निपटने के लिए एक उच्चस्तरीय मिशन की भी घोषणा की थी। इसी तरह, फरवरी 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे का उल्लेख किया। उन्होंने तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चुनौतियों पर विचार करने के लिए उच्चस्तरीय समिति की घोषणा की थी।

- आरएसएस ने की मोदी सरकार से मांग, कहा- यह वक्त की जररूरत
- होसबाले बोले- घुसपैठ,धर्मांतरण और एक ही समुदाय का दबदबा घातक

न तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे, न राहुल प्रधानमंत्री

बिहार में अमित शाह बोले-दोनों जगह खाली नहीं

नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा की। उन्होंने

राजद पर निशाना साधते हुए कहा- आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना। शाह ने कहा- लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतिश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं। शाह ने कहा- आपको किसी उम्मीदवार को विधायक या मंत्री बनाने के लिए वोट नहीं देना चाहिए। आपको बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है। लालू-राबड़ी के 15 साल के राज में बिहार का पतन हुआ था।

दुलारचंद हत्याकांड

अनंत सिंह हो गए गिरफ्तार

- सिविल कोर्ट में पेशी,ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पहुंची पुलिस

आधी रात घर से हुई गिरफ्तारी, रातभर रंगदारी सेल में रहे

पटना (एजेंसी)। मोकामा में जनसुराज नेता दुलारचंद की हत्या के मामले में पटना पुलिस ने शनिवार की देर रात बाहुबली अनंत सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने पेशी के लिए अनंत सिंह को ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पटना सिविल कोर्ट पहुंची हैं। शनिवार रात में करीब 150 पुलिस वालों के साथ टीम अनंत सिंह के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित घर पहुंची थी। इसे पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा

लीड कर रहे थे। पुलिस ने अनंत सिंह को घर से उठाया और पटना लेकर आई। 11 घंटे से अनंत सिंह रंगदारी सेल में हैं। बताया जाता है कि वो रात भर सोए नहीं और पुलिस से कहते रहे कि घटना के वक्त मैं काफिले के साथ आगे निकल चुका था।

- **पटना एसएसपी बोले-हत्या के वक्त अनंत सिंह मौजूद थे-** पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया, 30 अक्टूबर को 2 प्रत्याशियों के गुटों में झड़प हो गई। पथराव हुआ, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद एक शव बरामद किया गया। मृतक, 75 वर्षीय दुलारचंद यादव, उसी गांव के निवासी थे जहां यह झड़प हुई थी। दोनों पक्षों ने मामला दर्ज कराया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया और यह एक गंभीर मामला है। यह सब अनंत सिंह की मौजूदगी में हुआ।

भोपाल जिले के पेंशनर्स ने की अहम बैठक

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना की अध्यक्षता में भोपाल जिले के पेंशनरों ने अहम बैठक कर पेंशनरों के प्रति सरकार के रवैए की आलोचना की।

भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने पेंशनरों को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि संगठन ने पेंशनरों के हित में 6 प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय में दायर किए है दो प्रकरण पेंशनरों के पक्ष में निर्णित होने के बाद भी सरकार की हठधर्मिता के कारण एसोसिएशन को अवमानना प्रकरण दायर करना पड़े हैं। शर्मा ने पुनः दोहराया की सरकार पेंशनरों के प्रति संवेदनशील नहीं है। प्रदेश के वृद्ध पेंशनरों ने सरकार के रवैया की कड़ी आलोचना कर कहा कि सरकार वृद्ध पेंशनरों को स्वास्थ्य सुविधा भी नहीं दे पा रही है। प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने सरकार से पेंशनरों के प्रति विशेष ध्यान देने की मांग की है वहीं एसोसिएशन के संरक्षक गणित दत्त जोशी ने सभी पेंशनरों को संगठित रहने का आव्हान किया है। जोशी ने कहा की सरकार केंद्र के समान लंबित 3त्र महंगाई राहत के शीघ्र आदेश जारी करें। बैठक को प्रांतीय उपाध्यक्ष शंभूनाथ मुखर्जी सचिव यशवंत सिंह बैंस, रामगोपाल माथुर, जिले के उपाध्यक्ष सर्वेश तिवारी, संयुक्त सचिव आर एस यादव एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र नाईक आदि ने संबोधित किया।

सपा प्रदेशाध्यक्ष बोले- नोटबंदी की तरह एसआईआर का फैसला हुआ

विपक्षी दलों के बूथ लेवल एजेंट ही नहीं बने, एसआईआर की निगरानी कौन करेगा

भोपाल (नप्र)। एमपी सहित 12 राज्यों में वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) शुरू हो गया है। इस एसआईआर को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग और भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। मध्य प्रदेश समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.मनोज यादव ने एसआईआर को नोटबंदी की तरह लागू करने वाला निर्णय बताया है।

50 लाख वोटर्स के नाम बिहार में काट दिए

भोपाल में सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा- मतदाताओं को संविधान के आधार पर जो वोट डालने का अधिकार मिला हुआ है। भाजपा और चुनाव आयोग इसकी अनदेखी कर रहे हैं। बिहार में चुनाव आयोग ने एसआईआर दादागिरी से शुरू किया। विरोध के बावजूद लगभग 50 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए। 10 लाख माताओं बहनों के नाम काट दिए। हमारे देश में आधी आबादी महिलाओं की है।

गरीबों के नाम कटेंगे तो लोकतंत्र कहां रहेगा

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- माताएं बहनें बाहर रहतीं हैं आपने समय कम दिया है। उनके जो बच्चे बाहर रहते हैं उनके अगर नाम काट देंगे तो लोकतंत्र कहां रहेगा? इसमें आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग के और गरीब सामान्य वर्ग के वो लोग जो रोजी-रोटी की तलाश में प्रदेश से बाहर जाते हैं। और ऐसे लोगों के नाम कट जाते हैं जिससे वोट डालने के अधिकार से उनको वंचित कर दिया जाता है तो ये सरकार संविधान को खत्म करके पैसे वालों और उद्योगपतियों के हाथ में सत्ता की चाभी देना चाहती है। इसका समाजवादी पार्टी विरोध करती है।

वोट चोरी के डेटा की स्टडी कर रहे थे विपक्षी दल

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- जिन 12 राज्यों में वोटर लिस्ट को फ्रीज किया उनमें से 9 राज्यों में बीजेपी की सरकार है तो क्या आपने वोट चोरी करके सरकार बनाई। क्योंकि विपक्ष के लोग वोटर लिस्ट का डेटा निकालकर उसकी स्टडी कर रहे थे। कि आपने वोटर लिस्ट में कहां गड़बड़ियां की हैं ये एसआईआर क्या इसलिए कराई जा रही है कि लोग विधानसभा वार वोटर लिस्ट की स्टडी न कर पाएं, आपने कहां वोट चोरी किए। इसीलिए आपने फ्रीज कर दिया। इन 12 राज्यों में अभी कहां चुनाव हैं।

बड़वानी में बस पलटी, 16 घायल

मवेशी को बचाने में अंजड़-ठीकरी हाईवे पर हादसा ; भोपाल से आ रहे थे 50 यात्री

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी जिले में रविवार सुबह अंजड़-ठीकरी हाईवे पर एक सड़क हादसा हो गया। ग्राम मनवाड़ा और तलवाड़ा के बीच एक यात्री बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में 19 यात्री घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

अंजड़ पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। 11 घायलों को बड़वानी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पांच यात्रियों को मामूली चोट आने पर अंजड़ अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया।

भोपाल से बड़वानी आ रही थी बस- जानकारी के अनुसार, जय माता दी डावर टूर एंड ट्रैवल्स की बस भोपाल से बड़वानी आ रही थी। सुबह करीब 5:30 बजे बस के सामने मवेशी आ गया। चालक ने बस को बचाने की कोशिश की, लेकिन वाहन बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गया। बस में करीब 60 से अधिक यात्री सवार थे। हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार गूंज उठी।

स्थानीय लोगों ने की मदद, पुलिस-एम्बुलेंस पहुंची मौके पर- आसपास के ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को बस से बाहर निकाला और पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। अंजड़ पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। 11 घायलों को बड़वानी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पांच यात्रियों को मामूली चोट आने पर अंजड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया।

सो रहे थे यात्री, अचानक पलटी बस- यात्री मोहन मंडलोई, निवासी नानपुर ने बताया, सुबह-सुबह बस में सभी यात्री सो रहे थे। तभी अचानक झटका लगा। जब देखा तो बस पलट चुकी थी। ड्राइवर ने जानवर को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन बस फिसलकर पलट गई।

अधिकांश यात्रियों को हल्की चोट आई, गंभीर रूप से घायल यात्रियों का इलाज जारी है। हादसे के बाद से हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

घटना की सूचना पर जिला अस्पताल में अपर कलेक्टर केके मालवीय, एडिशनल एसपी धीरज बब्बर, तहसीलदार हितेंद्र भावसार, यातायात प्रभारी विनोद बघेल, सीएमएचओ डॉक्टर सुरेखा जमरे, सिविल सर्जन अनीता सिंगारे मौके पर पहुंचे।

घटना के बाद ड्राइवर फरार- सिविल सर्जन डॉक्टर अनीता सिंगारे ने बताया कि बड़वानी-ठीकरी के बीच ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग में हादसे के बाद गंभीर घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है। सुबह 7.30 बजे तक कुल 16 मरीजों को लाया गया, जिनका तत्काल उपचार शुरू किया गया। ठीकरी थाना प्रभारी नाथू सिंह रंधा ने बताया कि घटना सुबह 5:30 बजे की है। बस में 50 से अधिक लोग सवार थे। घटना के बाद बस का चालक फरार हो गया।

एडिशनल एसपी धीरज बब्बर ने बताया-बस भोपाल से अलीराजपुर जा रही थी। सामने मवेशी के आने से यह घटना होने की बात सामने आई है। सूचना पर गंभीर का घायलों को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया और उपचार शुरू किया गया है। किसी व्यक्ति के अति गंभीर होने की सूचना नहीं है।

बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल, मछली पकड़ने लगे

- बोले-पीएम मोदी के ऑर्डर पर चल रही है बिहार सरकार

कहा-मोदी सिर्फ ट्रम्प नहीं, अडाणी-अंबानी से भी डरते हैं

खगड़िया (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने खगड़िया में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, बिहार की सरकार दिल्ली से मोदी जी के ऑर्डर पर चल रही है। यहां आप लोगों के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है, लेकिन मोदी जी के पास अडाणी, अंबानी के लिए बहुत जमीनें हैं। आज सुबह मैं और सहनी जी तालाब में मछली पकड़ने गए। ये इसलिए क्यों कि लोगों को लगे की मेरे साथ राहुल गांधी

खड़े हैं। पीएम मोदी कहते हैं फेसबुक चलाइए। इंस्टाग्राम चलाइए। ऐसा क्यों, ऐसा इसलिए कि वो नहीं चाहते की आप दूसरी चीजों की बातें करें। आप जो डेटा इस्तेमाल करने के लिए पैसे देते हैं वो ये अडाणी और अंबानी को देते हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा के बाद वो वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ 3 किमी दूर तालाब में पहुंचे। मछुआरों के साथ मिलकर जाल से मछलियां पकड़ीं।

राजस्थान में रेत के धोरों में गरज रहे हैं टैंक

● 28000 फीट की ऊंचाई से दागी जा रही हैं मिसाइलें ● आर्मी-नेवी और एयरफोर्स के जवान दिखा रहे हैं दम

जैसलमेर (एजेंसी)। रेत के धोरों में टैंक गरज रहे हैं। 28 हजार फीट तक की ऊंचाई से लड़ाकू विमानों ने मिसाइलें दागीं।

सेना के जांबाज चुन-चुनकर दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीनों सेनाओं की ये सबसे बड़ी एक्सरसाइज है। आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के संयुक्त अभियान के तहत जैसलमेर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से लेकर कच्छ (गुजरात) तक युद्धाभ्यास चल रहा है। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा। भारत पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर 'अभ्यास त्रिशूल' के जरिए अपनी सैन्य ताकत

का प्रदर्शन कर रहा है। आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस अपना दम दिखा रहे हैं। दुश्मन के बनाए काल्पनिक ठिकानों पर सेना के जांबाज हेलीकॉप्टर से रैपलिंग या एयर-लैंडिंग की और 10 मिनट के अंदर सब कुछ तहस-नहस कर दिया। इस दौरान टी-90 टैंकों ने रेगिस्तान में धूल उड़ाते हुए तेजी से आगे बढ़ते और फायरिंग करते हुए अभ्यास किया।

इस दौरान लड़ाकू जेट ने खतरनाक क्लोज-फॉर्मेशन, उड़ान के दौरान ईंधन भरने और बॉम्बिंग रन की प्रैक्टिस की। सेना ने हाल ही में इसका वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी है। अभ्यास त्रिशूल में 28 हजार फीट की ऊंचाई तक वायुसेना के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर मिशन चला रहे हैं। जमीन पर थलसेना के टी-90 टैंक, तोपखाने और रॉकेट सिस्टम ने मोर्चा संभाला है, जबकि नौसेना ने समुद्री इलाकों और तटीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया है।

कच्छ के क्रीक और सर क्रीक पर फोकस

इस बार 'त्रिशूल' का एक अहम हिस्सा गुजरात के कच्छ क्षेत्र और विवादित सर क्रीक बॉर्डर के पास केंद्रित है। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में यहां अवैध निर्माण और सैन्य ढांचा खड़ा करने की कोशिशें की हैं। इस अभ्यास के जरिए भारत ने यह साफ संदेश दिया है कि वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सर क्रीक बॉर्डर की लंबाई करीब 68 किमी है, जबकि इसके आगे लगभग 36.4 किमी का दलदली इलाका भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित माना जाता है। यह इलाका निगरानी और सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है।

परिक्रमा

जातिगत जनगणना पर संघ की सशर्त सहमति

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

मध्यप्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल की बैठक में जहां एक ओर जातिगत जनगणना पर इस शर्त के साथ सहमति जताई गई कि राजनीतिक दृष्टिकोण से यह नहीं होना चाहिये। वहीं दूसरी ओर संघ पर प्रतिबंध लगाने की कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मांग पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने उन्हें इतिहास से सबक लेने की नसीहत दी। संघ की बैठक में डेमोग्राफिक असंतुलन को रोकने के लिए राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर भी बल दिया गया। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने बैठक के दूसरे दिन कहा कि मतांतरण से न केवल धार्मिक आस्था अवरुद्ध होती है बल्कि समाज की अस्मिता भी नष्ट हो जाती है।

संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक में 100 साल की संघ की यात्रा पर चिंतन से निकले संदेश और खरगे को नसीहत के साथ ही होसबाले ने कहा कि कांग्रेस को अपने पुराने अनुभव से सबक लेना चाहिये, क्योंकि अभी तक तीन मर्तबा संघ पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास हुए हैं और इस पर समाज व न्यायालय ने क्या कहा है इसका भी पता होना चाहिये तथा प्रतिबंध लगाने का कोई कारण तो होना चाहिये। संघ ने डेमोग्राफिक असंतुलन पर चिन्ता जाहिर करते हुए धर्मान्तरण, बांग्लादेश से घुसपैठ, एक समाज की ज्यादा संतानों को इसकी वजह बताया। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए राष्ट्रीय जनसंख्या नीति अपनाने पर बल दिया गया। संघ की यात्रा में जबलपुर का भी समावेश हो गया है और यहां हुए विचार मंथन से ही आने वाले वर्षों की दिशा तय होगी। होसबाले ने दावा किया कि समाज का कोई भी समुदाय ऐसा नहीं है जो संघ के सम्पर्क से अछूता हो। आने वाला वर्ष संघ के शताब्दी वर्ष का प्रारंभिक पड़ाव है जिसमें राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार और जनजागरण पर विशेष जोर दिया जायेगा।

जातियों के बीच प्रतिस्पर्धा व धर्म के टकराव के सवाल पर उनका कहना था कि मैं सद्भाव के साथ सभी को एक मंच पर लाने का काम कर रहा हूं। गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, पतंजलि योग जैसी कई आध्यात्मिक संस्थाएं यह काम कर रही हैं। सभी सद्भाव से चलेंगे तो एक बड़ी शक्ति पैदा होगी, जातियों के बीच अहंकार दूर करने के प्रयास भी होने चाहिये। भाजपा से संघ के सम्बंधों की चर्चा करते हुए उन्होंने यह साफ किया कि कई राजनीतिक दलों में संघ के स्वयं सेवक हैं, संघ वास्तव में नागरिकों का संगठन है। सरकार किसी की भी रहे उनके साथ देश के विषयों पर सम्पर्क रहता है। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का हवाला देते हुए होसबाले कहते हैं कि लगातार संवाद होता रहता है और संघ के कार्यक्रम में वे शामिल भी हुए। शिक्षा और स्वास्थ्य के निजीकरण व व्यापारीकरण के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए होसबाले कहते हैं कि पांच साल पहले एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें शिक्षा व स्वास्थ्य सस्ता, सुलभ एवं गुणात्मक हो, इस पर जोर दिया गया था। इसका व्यापारीकरण न हो इसके लिए सरकार को नियम बनाने की आवश्यकता है। संघ को घर-घर तक कैसे पहुंचाया जाए इसकी भी व्यापक नीति तैयार की गई।

तीन दिवसीय बैठक के दूसरे दिन संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत के गौरवशाली स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों और योद्धाओं की एक दीर्घ परम्परा रही है और उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा का इस स्वतंत्रता संग्राम के श्रेष्ठतम नायकों व योद्धाओं में विशेष स्थान है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का कहना है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सभी पार्टियों का है लेकिन यहां यह सच है कि हमारे संगठन में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ज्यादा हैं। चूंकि आज संघ के स्वयं सेवक सरकार में हैं इसलिए हमारे और भाजपा के बीच समन्वय बना हुआ है। आरएसएस का दरवाजा सभी के लिए खुला है। लेकिन यह भी हकीकत है कि भाजपा में घर के ही लोग हैं। संघ ने देश भर के बस्ती मंडलों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित करने की संभावना पर भी विचार किया।

और यह भी

राष्ट्रीय स्वयं संघ अपने शताब्दी वर्ष में हिन्दुओं को एकजुट करने और समाज को कुशल नेतृत्व देने के लिए देश में एक लाख हिन्दू सम्मेलन समितियों का गठन करेगा ताकि लव जिहाद, मतांतरण या अन्य सामाजिक समस्याओं का निदान स्थानीय स्तर पर ही किया जा सके। इसके लिए ग्राम पंचायत, बस्ती मंडल से लेकर शहर, जिला, संभाग व प्रान्त स्तर पर तेरह सदस्यीय समितियों का गठन किया जायेगा। इन समितियों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष समाज के विशिष्ट जनों को बनाया जायेगा, लेकिन सचिव की जिम्मेदारी संघ के स्वयं सेवक या पदाधिकारी ही संभालेंगे और यह समितियां हिन्दू सम्मेलन आयोजित करेंगी, सम्मेलन की शुरुआत इसी साल 20 दिसम्बर से होगी। यह निर्णय जबलपुर में हुई उक्त बैठक में लिया गया।

बेकाबू ब्लड प्रेशर से खराब हो रही किडनी

7 दिन में 2 युवाओं की भोपाल एम्स में बदली गई किडनी, बड़ी बहन ने भाई को दिया दूसरा जीवन

भोपाल (नप्र)। तेज रफ्तार जिंदगी और अनियमित दिनचर्या अब युवाओं की किडनी पर हमला कर रही है। एम्स भोपाल में बीते एक सप्ताह में दो युवाओं का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। एक को ब्रेन डेड मरीज की किडनी से नई जिंदगी मिली, जबकि दूसरे को उसकी बहन ने किडनी देकर मौत के मुंह से खींच लिया।

दोनों मरीज 35 वर्ष से कम उम्र के थे और दोनों की किडनी फेल होने का कारण अनकंट्रोल ब्लड प्रेशर था। डॉक्टरों का कहना है कि बदलती लाइफस्टाइल और बढ़ते स्ट्रेस के चलते युवा अब हार्ट नहीं, किडनी डिजीज के मरीज तेजी से बन रहे हैं।

एम्स ने दी चेतावनी- बीपी पर रखें नजर- एम्स भोपाल में हाल ही में दो ऐसे किडनी ट्रांसप्लांट किए गए जो न केवल चिकित्सकीय दृष्टि से अहम हैं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता के लिहाज से भी एक चेतावनी हैं। एक ट्रांसप्लांट रविवार को और दूसरा मंगलवार को हुआ। दोनों ही मरीज 30 से 32 वर्ष की उम्र के युवा थे।

7 दिन में ही घर लौट रहा मरीज, पहले लगते थे 30 दिन- पहले केस में 30 वर्षीय युवक, जो एक निजी कंपनी में काम करता था, लंबे समय से हाइपरटेंशन से जूझ रहा था। इलाज और जीवनशैली सुधार के बावजूद उसका ब्लड प्रेशर नियंत्रण में नहीं आ पाया और धीरे-धीरे दोनों किडनी ने काम करना बंद कर दिया।

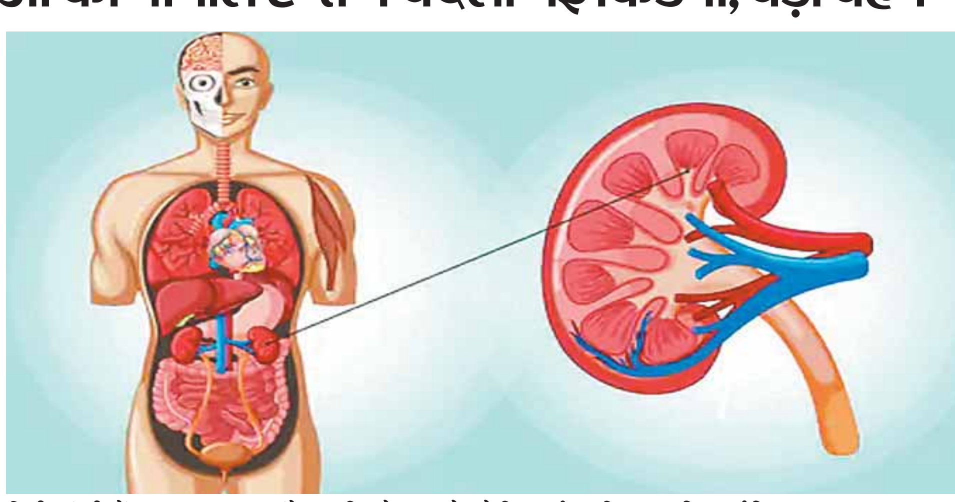

वह पिछले एक साल से डायलिसिस पर था। पिछले हफ्ते, एम्स में जब एक ब्रेन डेड मरीज के अंगदान की प्रक्रिया हुई तो उसे उसी दाता की एक किडनी मिली। सर्जरी सफल रही और अब युवक खुद से खाना खाने और चलने-फिरने लगा है। डॉक्टरों ने बताया कि सोमवार को उसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। पहले ऐसे मरीजों को 30 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता था।

3 साल बड़ी बहन ने दिया दूसरा जीवन- दूसरा मामला मंगलवार का है। 32 वर्षीय युवक की हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि बिना ट्रांसप्लांट उसके बचने की उम्मीद नहीं थी। ऐसे में उसकी 35 वर्षीय बहन आगे आई और अपनी एक किडनी भाई को दान कर दी। डॉक्टरों के अनुसार, सर्जरी पूरी तरह सफल रही है और मरीज अब ऑब्जर्वेशन में है। जल्द ही उसे भी डिस्चार्ज किया जाएगा।

इन वजहों से फेल हो रही किडनी- दोनों ट्रांसप्लांट की सर्जरी एम्स भोपाल की यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी टीम ने की। जिसमें यूरोलॉजी विभाग से डॉ. देवाशीष कौशल, डॉ. कुमार मधवन, डॉ. केतन मेहरा और नेफ्रोलॉजी विभाग से डॉ. महेंद्र अटलानी ने अहम भूमिका निभाई। टीम के अनुसार, युवाओं में किडनी डिजीज के मुख्य कारण हाइपरटेंशन, डायबिटीज और अनहेल्दी लाइफस्टाइल हैं। समय पर नियमित जांच और ब्लड प्रेशर नियंत्रण से इसे रोका जा सकता है।

किडनी ट्रांसप्लांट में भोपाल आगे

भोपाल अब मध्यभारत का एक प्रमुख किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर बनकर उभरा है। एम्स भोपाल में अब तक कुल 17 किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं, जिनमें से 4 ब्रेन डेड डोनेशन और बाकी लाइव डोनेशन हैं। वहीं गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल में अब तक 10 सफल लाइव ट्रांसप्लांट किए गए हैं। डॉक्टरों का मानना है कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से अधिक से अधिक ब्रेन डेड मरीजों के अंग जरूरतमंदों को जीवन दे सकते हैं। फिलहाल एम्स भोपाल हर महीने कम से कम एक ट्रांसप्लांट करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

ब्लड प्रेशर और किडनी का कनेक्शन

ब्लड प्रेशर अगर लंबे समय तक बढ़ा हुआ रहे तो यह किडनी की नाजुक रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इससे किडनी रक्त को फिल्टर करने की क्षमता खोने लगती है। भारत में हर चार में से एक किडनी फेल मरीज का कारण बेकाबू बीपी होता है।

एम्स ने दिए यह सुझाव

- बीपी की नियमित जांच करें।
- नमक और जंक फूड का सेवन कम करें।
- रोज़ कम से कम 30 मिनट वॉक करें।
- डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का सेवन समय पर करें।
- हर 6 महीने में ब्लड शुगर और क्रिएटिनिन जांच कराएं।

सड़क-नाली निर्माण से लेकर बड़े कामों की समीक्षा

10 घंटे तक इंजीनियरों संग बैठक, कमिश्नर ने पूछा-2019 के काम अब तक क्यों जारी

भोपाल (नप्र)। सड़क-नाली जैसे छोटे-छोटे कामों से लेकर कमर्शियल कांप्लेक्स के 2019 में जारी वर्क ऑर्डर पर 2025 में भी कैसे काम चल रहा है? एस्टीमेट स्वीकृत हो जाने के बाद तीन से चार साल बाद वर्क ऑर्डर क्यों जारी कर रहे हैं? ऐसे सवाल निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने इंजीनियरों से पूछे तो वे जवाब नहीं दे पाए।

अधूरी जानकारियों के साथ बैठक में आए इंजीनियरों को निगमायुक्त ने वहीं लैपटॉप और स्टाफ के साथ बैठा लिया। रात 8:30 बजे तक इंजीनियर जानकारियां अपडेट करते रहे।

कमिश्नर सुबह 10:30 बजे दफ्तर पहुंचीं और 10 घंटे में इंजीनियरिंग विभाग के एक-एक काम की जानकारी ली। संभवतः यह पहला मौका है जब किसी निगमायुक्त ने एक-एक एस्टीमेट के बनने और उसके स्वीकृत होने, टेंडर जारी होने, वर्क ऑर्डर जारी होने और भुगतान तक की हर जानकारी पर पूछताछ की हो। उन्होंने हैरानी जताई कि काम स्वीकृत, बजट मंजूर तो फिर वर्क ऑर्डर में 3 साल क्यों लग रहे हैं।

आधी-अधूरी जानकारी लेकर आए इंजीनियरों को लैपटॉप के साथ बिठाया, पूछा- बजट जारी तो वर्क ऑर्डर में देरी क्यों हो रही

एक निधि का पैसा, दूसरे में कैसे खर्च

कई मामलों में यह बात सामने आई कि एक निधि का बजट दूसरे में खर्च कर दिया गया। सीएम इंफ्रा में कुछ काम ऐसे भी मिले जो बिना सक्षम स्वीकृति के कर दिए गए। अब पेमेंट नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने हर एक की वजह पूछी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी स्थिति में एक निधि का बजट दूसरी निधि में खर्च नहीं किया जाए। हर मद में जो राशि शेष है उसका हिसाब रखें और उस हिसाब से ही भविष्य में भुगतान व स्वीकृति हो।

बिना टेंडर काम करने पर पूछताछ

निगमायुक्त ने बिना टेंडर बुलाए हुए छोटे-छोटे कामों के बारे में इंजीनियरों से पूछा कि आखिर टेंडर निकालकर इन कामों को करने में दिक्कत क्या है? नगर निगम परिषद की बैठक में भी यह मुद्दा उठा था। पार्षद निधि के कामों पर उन्होंने पूछा कि आखिर इनकी स्वीकृति में समय क्यों लगता है? इंजीनियरों ने तर्क दिया कि बजट को चार क्वार्टर में बांटा जाता है और पार्षद चाहते हैं कि एक साथ बुक कर दिया जाए।

इंजीनियरों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा

बताया जाता है कि इस समीक्षा के आधार पर कमिश्नर सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर व एक्जीक्युटिव इंजीनियरों का रिपोर्ट कार्ड बनाएंगी। रिपोर्ट के आधार पर ही उनकी जिम्मेदारी तय होगी। इंजीनियरों के बीच काम के बंटवारे को लेकर निगम में नाराजगी है और। मुद्दा परिषद बैठक में भी उठा था।

रिकॉर्ड पर जोर

हर विभाग की समीक्षा के लिए बनाया फार्मेट

नगर निगम के सूत्रों के मुताबिक निगमायुक्त ने हर विभाग की समीक्षा के लिए एक फार्मेट दिया है। इसमें विभाग के एक-एक काम की जानकारी मांगी जा रही है। फार्मेट ऐसा है कि विभाग के बजट से लेकर बिल बनने और भुगतान होने तक की पूरी जानकारी एक टेबल में सामने आ रही है।

निगम के ज्यादातर विभागों में रिकॉर्ड ठीक से मेंटेन नहीं होने से अब इस फार्मेट को भरना अधिकारियों से लेकर स्टाफ तक के लिए परेशानी का सबब बन गया है। हर फार्मेट भरने के लिए टाइमलाइन भी तय की गई है।

घर के बाहर पटाखे फोड़ने के विवाद में फायरिंग

दो युवकों के साथ मारपीट की, भागते समय बोले आरोपी- आइंदा रोका-टोका तो सीधे हत्या होगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके में घर के बाहर पटाखे फोड़ रहे दो युवकों को एक परिवार ने शोर न करने की हिदायत दी। इस पर आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की। विरोध करने पर मारपीट की और एक राउंड फायर कर दिया। इसके बाद जब आस पास के लोग एकत्र होने लगे तो आरोपी फरियादी को आइंदा रोक-टोक करने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। पुलिस ने फिलहाल मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है, लेकिन धाराओं में इजाफा करने की बात कही जा रही है।

टीआई वीबीएस सेंगर ने बताया कि 30 वर्षीय शफीक पिता समीर खान निवासी अहाता सिकंदर कुली प्राइवेट काम करता है। उसने बताया कि देर रात उसके घर के बाहर तौफीक और सिराज पटाखे जला रहे थे। जिससे परिवार के सदस्यों की नींद नहीं लग रही थी। आरोपियों को समझाने के लिए बाहर पहुंचे तो उन्होंने अभद्रता करना शुरू कर दिया।

लोगों के समझाने पर आरोपी वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोबारा घर आए और शटर पर किसी चीज से मारा, गालियां देकर बाहर निकलने को कहा। मैं और भाई अनस बाहर आए आरोपियों ने छुरी तलवार से वार किए। एक वार अनस के पांव में लगा। जिससे उसे चोट लगी, इसके बाद आरोपी एक राउंड फायर कर फरार हो गए।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाने की दो टीमें जुटी

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाने की दो टीमें जुटी हैं। उनके संभावित ठिकानों दबिश दी जा रही है। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए हैं। टीआई का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसआईआर सर्वे-2029 बीएलओ करेंगे सर्वे, हर एक पर 1200 वोटरों का जिम्मा

भोपाल (नप्र)। राजधानी सहित प्रदेशभर में 22 साल बाद होने जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत भोपाल में दर्ज ऐसे वोटर्स का रिकॉर्ड भी सामने आएगा, जिनका नाम यहां दर्ज होने के साथ उनके गृह नगर में भी दर्ज है। बीएलओ अब तक ऐसे मतदाताओं के नाम सर्च नहीं कर पाए हैं।

हालांकि, टेबल टॉप में अंदाजा लगाया जा रहा है कि यहां पर करीब 70 हजार से अधिक मतदाता बाहरी जिलों से आए हैं, जिनका नाम उनके गृह नगर में भी दर्ज है। ऐसे में इन मतदाताओं का नाम एक जगह से काट दिया जाएगा। मृत और परमानेंट शिफ्ट होने वाले मतदाताओं की भी तलाश की जाएगी।

जिनके नाम काटने हैं, उनको पहले एसडीएम स्तर से नोटिस जारी किए जाएंगे। भोपाल के 21 लाख 25 हजार 683 मतदाताओं को गणना फार्म दिए जाएंगे, जिसमें मतदाता का फोटो पहले से प्रिंट होगा। बीएलओ फार्म देने के साथ एक पर पावती लेगा, जिसका रिकॉर्ड बीएलओ एप पर भी अपलोड करना पड़ेगा। इसके लिए 2029 बीएलओ को काम पर लगाया गया है। हर बीएलओ पर करीब 1200 वोटर्स की जिम्मेदारी होगी।

ऐसे में किसी मतदाता के छूटने की संभावना कम रहेगी। इधर आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के लिए पहले से वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट के मृतक और शिफ्टेड मतदाताओं की जानकारी जुटाने की हिदायत दी थी। बीएलओ गणना पत्रक देने के बाद इन्हें भरकर वापस लेंगे, जिसके आधार पर 9 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया जाएगा।

एक बूथ पर रहेंगे परिवार के सदस्य

वर्तमान में सातों विस में कई परिवार ऐसे हैं, जिनके सदस्यों की संख्या अधिक होने से उनके मतदान केंद्र अलग हैं। इस वजह से एक परिवार के लोगों को अलग-अलग केंद्र में जाकर वोट डालना पड़ता है। इसको देखते हुए बीएलओ को इस बात का ध्यान देना पड़ेगा कि ऐसा न हो।

चिपकाना पड़ेगा नया कलर फोटो

गणना पत्रक में दर्ज नाम के आधार पर इपिक नंबर, मतदान केंद्र, पता और पुराना फोटो भी दर्ज होगा। नई जानकारी में नया कलर फोटो भी चस्पा करना पड़ेगा। आधार नंबर, माता, पिता, पति- पत्नी के इपिक नंबर की जानकारी भी फार्म में देना होगी।

अग्रसेन महाराज पर अभद्र टिप्पणी का विरोध

पुलिस को दिया ज्ञापन, कहा- अब सिर्फ निंदा नहीं, कठोर कार्रवाई जरूरी

भोपाल (नप्र)। छत्तीसगढ़ के नेता और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल द्वारा भगवान झूलेलाल, अग्रसेन महाराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के खिलाफ भोपाल में सिंधी और अग्रवाल समाज ने जागृत हिंदू मंच के बैनर तले बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि एकजुट हुए और पुलिस कमिश्नर भोपाल को ज्ञापन सौंपते हुए बघेल की गिरफ्तारी की मांग की।

बताया गया कि हाल ही में छत्तीसगढ़ में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की मूर्ति तोड़े जाने की घटना के बाद अमित बघेल ने कहा था पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अग्रसेन महाराज की मूर्ति क्यों नहीं टूटती? उनकी मूर्ति पर पेशाब क्यों नहीं करते? कौन है अग्रसेन महाराज? चोर है या झूठा?

इस टिप्पणी के बाद अग्रवाल और सिंधी समाज में तीव्र आक्रोश फैल गया। लोगों ने कहा कि यह केवल किसी समाज विशेष का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की विचारधारा और श्रद्धा पर हमला है।

कानून का कठोर प्रहार जरूरी

जाग्रत हिंदू मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा, अमित बघेल जैसे तत्व सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने और हिंदू समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह वही मानसिकता है जो हमारे महापुरुषों दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, श्री अग्रसेन महाराज के आदर्शों को मिटाने का सपना देखती है।

अब समय आ गया है कि केवल निंदा नहीं, बल्कि कानून का कठोर प्रहार हो। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तुरंत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी नहीं की गई, तो हिंदू समाज सड़कों पर उतरकर विरोध करेगा।

यह राष्ट्र का अपमान

मंच के संयोजक सुनील कुमार जैन ने कहा कि अमित बघेल की टिप्पणी केवल किसी समाज पर नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रवादी सोच पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे राष्ट्रपुरुषों का अपमान करना भारत की आत्मा को ठेस पहुंचाने जैसा है।

ज्ञापन में उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

मंच द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि अमित बघेल की टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। ज्ञापन में मांग की गई कि उनके खिलाफ तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों या समाज के आदर्श पुरुषों का अपमान करने का दुस्साहस न करे।

संपादकीय

मप्र के विकास का विजन!

मध्यप्रदेश के सत्तर साल पूरे होने के बाद राज्य की डॉ. मोहन यादव सरकार ने राज्य को विकसित प्रदेशों की श्रेणी में ला खड़ा करने के लिए 'विकास का विजन डाक्यूमेंट' नाम से नया ब्लू प्रिंट जारी किया है। यह डाक्यूमेंट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के अनुरूप ही है। राज्य के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने यह विजन डाक्यूमेंट मप्र के स्थापना दिवस 1 नवंबर को जारी किया। इसमें कई लक्ष्य रखे गए हैं। जिनमें साल 2047 तक मप्र उद्योग धंधों का अर्थव्यवस्था में योगदान 2.9 लाख करोड़ से बढ़ाकर 50 लाख करोड़ किया जाएगा। उद्योग व इससे जुड़े सेक्टर में 1 करोड़ नौकरियां देने, सर्विस सेक्टर का योगदान 4.9 लाख करोड़ से 125 लाख करोड़ करना शामिल है। गौरतलब है कि नवंबर 2024 में नीति आयोग के सहयोग से इस विजन डॉक्यूमेंट पर काम शुरू हुआ था। कुल 8 समूहों ने लगातार चर्चा और विमर्श के बाद मप्र के विकास ये खाका तैयार किया है। कुल 21 पेज के इस दस्तावेज में सुशासन, संपन्न और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश बनाने का लक्ष्य है। आर्थिक-सामजिक सुधारों के साथ वित्तीय और सुशासन के नवाचारों पर भी फोकस है। इस के तहत बड़ी संख्या में नौकरियां देने के लिए उद्योगों को ग्लोबल वैल्यू चैन से जोड़ा जाएगा। मेक इन मध्य प्रदेश की थीम पर काम होगा। 100 से ज्यादा नए मल्टी प्रोडक्ट क्लस्टर बनाए जाएंगे। 20 कार्गो हब स्थापित किए जाएंगे। एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए स्पेशल इकॉनॉमिक जोन बनाए जाएंगे। विगत तीन दशकों में मप्र ने खेती के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए राज्य में 2047 तक 25 प्रतिशत जैविक और प्राकृतिक खेती का लक्ष्य है। मप्र का देश की कृषि में योगदान बढ़ाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। खेती के क्षेत्र में क्लस्टर, बहुउद्देशीय फसल प्रबंधन जोन और सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। किसानों की आय बढ़ाने के लिए एग्री एक्सपोर्ट जोन भी बनाएंगे। स्मार्ट फल-सब्जी क्लस्टर के अलावा बड़ी-बड़ी मिल्क कूलिंग यूनिट भी स्थापित की जाएंगी। अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र के योगदान को देखते हुए मप्र में इसे 36 प्रतिशत से बढ़कर 49 से 53 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। ऐसा हुआ तो मप्र में इस सेक्टर का आकार 4.9 लाख करोड़ से बढ़कर 125 लाख करोड़ हो जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के निर्माण पर काम होगा। भोपाल-इंदौर में एआई-नॉलेज सिटी बनेंगे। 3 डाटा सेंटर हब और फिल्म सिटी भी बनेंगी। 10 मेगा टूरिज्म जोन से धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज -सांस्कृतिक और रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देंगे। 200 एकड़ में एआई सिटी के अलावा एआई टाउन बनेंगे और बुद्धिस्ट सर्किट जैसे नए सर्किट पर्यटकों की संख्या बढ़ाएंगे। समृद्ध मप्र का लक्ष्य को ध्यान में रखकर ऐसे युवा तैयार किए जाएंगे जो दुनिया में कहीं भी काम कर सकें। स्टेट रिसर्च फंड, स्मार्ट क्लासेज, वर्चुअल लैब के अलावा एआई टूल भी शिक्षा में शामिल होंगे। प्राइमरी से बारहवीं तक 100 प्रतिशत एडमिशन और 100 प्रतिशत साक्षरता, केजी से 12वीं तक के 500 से अधिक विश्वस्तरीय स्कूल खोलना, 10 ग्लोबल स्किल पार्क, मॉडल आईटीआई विकसित करना, औसत आयु 84 वर्ष तक करना, शिशु मृत्यु दर 5 प्रति हजार तो मातृ मृत्यु दर 20 प्रति हजार से नीचे लाना, पोषण-स्वास्थ्य में एआई का उपयोग, हर व्यक्ति के पास पक्का घर और जल कनेक्शन, 8 नए एयरपोर्ट विकसित करना और कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत नवकरणीय स्त्रोतों से प्राप्त करना शामिल है। इसके अलावा 2047 तक 25 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित किया जाएगा। मप्र को ये सभी लक्ष्य अगले 22 सालों में हासिल करने हैं। लेकिन क्या राज्य का सरकारी तंत्र ऐसा कर सकने की स्थिति और मानसिकता में है, यह बड़ा सवाल है।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

जन सरोकार वाले सरकारी कार्य बंद न होने पाएं

क्या यह मुख्यमंत्री शिकायत सेल की अघोषित तालाबंदी है?

भारत आज भी दुनिया में गांधी के नाम से जाना जाता है भले ही आज सरकारी पार्टी और उसकी मातृ संस्था गांधी को माने या ना माने परंतु दुनिया गांधी को मानती है। गांधी का सत्य स्वच्छ था, उसमें कुछ भी छिपा नहीं था। महात्मा गांधी ने तो अपनी गलतियों को भी निष्पक्ष ढंग से उजागर किया। अब तो गांधी के विरोधी लोग ही गांधी के सत्य का दुरुपयोग गांधी के खिलाफ कर रहे हैं। दूसरा एक और विचित्र जन विरोधी शुरुआत मध्य प्रदेश में हुई है। मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी आम जनता को अपनी शिकायतों को तंत्र तक पहुंचाने के लिए सीएम हेल्पलाइन के नाम से एक शिकायत सेल (लगभग सभी प्रदेशों में) शुरू किया गया था इसकी तार्किक वजह थी कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पास देश और प्रदेश के अन्य लोगों की शिकायतों को सुनने का समय नहीं रह पाता है। व्यवस्था के मुखिया को अपने समय का अधिकांश हिस्सा शासन पर लगाना होता है और धीरे-धीरे नौकरशाही की परंपराएं मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को इस तरह से घेर लेती है कि वह शिकायतें एवं जन भावनाओं को नहीं समझ पाते और ना ही सुन पाते हैं।

सूचना के अधिकार कानून ने देश के आम आदमी को एक दौर में कुछ अधिकार संपन्न बनाए रखा, आम आदमी सरकारी तंत्र से कुछ जानकारियां ले सकता था और उनका उपयोग समाज में भ्रष्टाचार उजागर के लिए कर सकता था। जब कांग्रेस सरकार में यह कानून लागू हुआ तो यह सामान्य व्यक्ति के लिए कारगर हथियार साबित हुआ एवं अफसरशाही भी इस हथियार के प्रयोग से भयभीत रहती थी, क्योंकि उसे सूचना देना लाचारी था। परंतु धीरे-धीरे सूचना के अधिकार कानून एवं नियमों में ऐसे बदलाव किए गए की वह अप्रभावी और भोथरा हथियार बन गया है। कई सरकारी पदों को एक प्रकार से इस कानून के दायरे से लिखित और अलिखित तरीके से बाहर कर दिया गया है 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रधानमंत्री जी की डिग्री को सार्वजनिक नहीं किया गया। निःसंदेह यह कानून एक क्रांतिकारी कानून था परंतु व्यवस्था ने अपने हथकंडों से इसके क्रांतिकारी स्वरूप को खत्म कर दिया और अब शर्त जोड़ दी गई कि जानकारी मांगने वाले व्यक्ति का इस मामले से क्या संबंध है? जबकि यह गैर जरूरी था, फिर कुछ दुरुपयोग के शिकायतों के नाम से इस कानून को मृत नहीं तो बेहोश तो कर ही दिया गया है।

भारत आज भी दुनिया में गांधी के नाम से जाना जाता है भले ही आज सरकारी पार्टी और उसकी मातृ संस्था गांधी को माने या ना माने परंतु दुनिया गांधी को मानती है। गांधी का सत्य स्वच्छ था, उसमें कुछ भी छिपा नहीं था। महात्मा गांधी ने तो अपनी गलतियों को भी निष्पक्ष ढंग से उजागर किया। अब तो गांधी के विरोधी लोग ही गांधी के सत्य का दुरुपयोग गांधी के खिलाफ कर रहे हैं। दूसरा एक और विचित्र जन विरोधी शुरुआत मध्य प्रदेश में हुई है। मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी आम जनता को अपनी शिकायतों को तंत्र तक पहुंचाने के लिए सीएम हेल्पलाइन के नाम से एक शिकायत सेल (लगभग सभी प्रदेशों में) शुरू किया गया था इसकी तार्किक वजह थी कि, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पास देश और प्रदेश के अन्य लोगों की शिकायतों को सुनने का समय नहीं रह पाता है। व्यवस्था के मुखिया को अपने समय का अधिकांश हिस्सा शासन पर लगाना होता है और धीरे-धीरे नौकरशाही की परंपराएं मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को इस तरह से घेर लेती है कि वह शिकायतें एवं जन भावनाओं को नहीं समझ पाते और ना ही सुन पाते हैं। कुछ वरिष्ठ नौकरशाहों को प्रतिदिन रिपोर्टिंग के नाम पर, सूचना देने के नाम पर, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के लिए समय सुरक्षित रखना पड़ता है और कई घंटे इसमें चले जाते हैं। तंत्र इतना फैल गया है कि कोई भी नीत को क्रियान्वित करना कई परीक्षाओं को पास करना जैसा होता है। किसी-किसी घटना पर संस्थाएं अपनी शिकायत के आधार पर जांच करती है और सरकार एवं तंत्र का बड़ा हिस्सा उनके उत्तर देने में चला जाता है। नौकरशाही का भी काफी समय इसमें निकल जाता एवं इस कारण से आम जनता के साथ संवाद नगण्य हो जाता है।

दिखाने को तो हर स्तर पर संभागीय आयुक्त से लेकर तहसीलदार द्वारा जनसुनवाई की तिथि तय की गई है लेकिन यह जनसुनवाई केवल खानापूर्ति होती है। अक्सर जनसुनवाई के दिन देखने में आता है कि कभी-कभी मुख्यमंत्री और मंत्रियों का नगर में आगमन हो जाता है तो जनसुनवाई के नाम पर किसी अधीनस्थ छोटे अधिकारी आदि को लगा दिया जाता है एवं वह शिकायतों के पत्र ले लेते हैं और अधिकारियों को प्रस्तुत कर देते हैं। अक्सर यह भी होता है कि राजस्व अधिकारी को प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी के पास देने के लिए कह दिया जाता है। कलेक्टर ऑफिस के द्वारा कहा जाता है कि, एसपी ऑफिस के पास जाइए, एसपी आफिस कलेक्टर के पास भेजता है। इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री शिकायत सेल एक ऐसा माध्यम है जहां आम नागरिक को भटकना नहीं पड़ता है बल्कि मुख्यमंत्री के तंत्र से ही संबंधित शिकायत को संबंधित अधिकारी के पास पहुंचा दिया जाता है। यह भी परंपरा बनी है कि अधिकारी मुख्यमंत्री के पास से प्राप्त शिकायतों को तत्काल हल करते है इसलिए आम लोगों को यह एक माध्यम मिला। यद्यपि जितनी शिकायतें होती उतने बड़े पैमाने पर निराकरण नहीं होता था। फिर भी एक प्रमाण होता था की व्यवस्था के शीर्ष अधिकारी मुख्यमंत्री तक बात पहुंची है जो कभी भी गंभीर रूप ले सकती है। कभी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित हो जाए तो वह कार्यवाही का आधार बन सकती है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिकायत सेल में लगभग तीन चार लाख शिकायतें लंबित है। यह भी प्रक्रिया थी कि, शिकायतों के निराकरण की सूचना पर यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं होता है तो अपनी आपत्ति पुनः दर्ज करा सकता था। जब तक शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं हो जाता था, उस मामले का निराकरण हुआ नहीं माना जाता था। तात्पर्य कि तब तक शिकायत बंद नहीं होती थी। कुल मिलाकर के संपूर्ण रूप से तो नहीं परंतु आंशिक रूप से कुछ शिकायतों का निराकरण होता था। इससे अधिकारियों को परेशानी होती थी। क्योंकि उन्हें मुख्यमंत्री शिकायत सेल से प्राप्त शिकायतों का मुख्यमंत्री को उत्तर देना होता था और इन शिकायतों की समय सीमा में निपटाने के लिए संभाग, जिला, तहसील स्तर पर मुख्यमंत्री शिकायत सेल से प्राप्त शिकायतों को वरीयता देकर हल करने या कम से कम हल करने की खानापूर्ति करनी पड़ती थी।

पिछले दिनों अखबार में सूचना आई है कि मुख्यमंत्री शिकायत सेल को सीमित किया जा रहा है और शायद इसे बंद करने की तैयारी हो रही है। नौकरशाही ने मुख्यमंत्री को यह समझा दिया है कि, शिकायतों के माध्यम से अधिकारियों को परेशान किया जाता है। सामान्य परिवार से निकल करके मुख्यमंत्री बनने वाला व्यक्ति भी नौकरशाहों के तर्क से सहमत हो गया और अब यह एक नया चलन शुरू करने की तैयारी है कि शिकायत यदि झूठी पाई जाती है तो शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निसंदेह अगर झुठी शिकायतें होती है तो उस पर कार्यवाही होनी चाहिए, परंतु वह कार्यवाही शासन को नहीं बल्कि संबंधित अधिकारी द्वारा स्वतंत्र न्यायपालिका में आवेदन देकर करना चाहिए। वहीं दूसरा पक्ष है कि बार-बार शिकायत करने वाले को भी दोषी माना जाएगा।

यह तो घोर अपराध है क्योंकि जो शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है वही दोबारा शिकायत करेगा या अपनी असंतुष्टि को जाहिर करेगा। इस प्रक्रिया से नौकरशाही पर एक सीमित नियंत्रण भी था कि वह किसी शिकायत को बंद नहीं कर सकते उन्हें भी कहीं ना कहीं शिकायतकर्ता को संतुष्ट करना होता है। परंतु इस नए नियम के माध्यम से या तो आम जनता डर से शिकायत करना बंद कर देगी या फिर नौकरशाही को अधिकार मिल जाएगा की शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दें। कुल मिलाकर यह मुख्यमंत्री शिकायत सेल की अघोषित तालाबंदी जैसी है।

एक प्रकार से यह भी राजनीतिक पक्ष बनेगा कि नौकरशाही सत्ता पक्ष की शिकायतें अक्सर हल करेंगी परंतु गैर सत्ता पक्ष की शिकायतों को गलत बताकर बंद कर देगी और कार्यवाही करने वाले को नोटिस देगी। यह नियम सार्वजनिक अधिकारों का उल्लंघन भी है और लोकतांत्रिक भी नहीं है। राम के नाम का जाप और पाठ करने वाली सरकार, राम गमन पथ मार्ग के निर्माण पर सैकड़ों, करोड़ों रुपए खर्च करने वाली सरकार, राम के लोकतांत्रिक स्वरूप को भी मिटा रही है। जिसमें राम आम आदमी की शिकायत को न केवल सुना करते थे बल्कि उसके आधार पर राम ने अपने परिवार के लोगों को सजा भी सुनाई। अग्नि परीक्षा में निर्दोष सिद्ध सीता को वनवास दिया गया, यह एक निर्दोष नारी के खिलाफ अन्याय था, परंतु राम अपने इस आपराधिक निर्णय द्वारा आलोचना को जीवित रखना चाहते थे।

9 अक्टूबर 2025 के अखबारों में खबर आई की मुख्यमंत्री जी द्वारा सार्वजनिक संस्थानों पर किए गए घोषणापत्रों को पोर्टल पर दर्ज नहीं किया जाएगा। यह परंपरा रही है कि मुख्यमंत्री यदि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में घोषणा करते थे तो संबंधित अधिकारी का दायित्व होता था कि मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं को पोर्टल पर सीधे दर्ज करायें। यह मुख्यमंत्री के लिए उनकी घोषणाओं को याद कराने और कार्रवाई करने की बाध्यता होती थी, क्योंकि ये सीधे पोर्टल पर दर्ज होती थी। अतः इसका रिकॉर्ड होता था और मुख्यमंत्री को भी अपनी घोषणाओं को पूरा करने की बाध्यता होती थी, वरना सार्वजनिक संस्थाओं, विधानसभाओं में भी सवाल उठाए जा सकते थे, जिनका उत्तर देने की बाध्यता मुख्यमंत्री जी को होती थी। इस सीधे पोर्टल पर दर्ज करने के तरीके से मुख्यमंत्री का नैतिक दायित्व होता था कि वह संयमित ढंग से बोले और ऐसी घोषणाएं करें जिससे वह पूरा करने में सक्षम हो। परंतु अब इस नई पद्धति के बाद मुख्यमंत्री को झूठ बोलने का, झूठी घोषणाएं करने का, अघोषित लाइसेंस मिल जाएगा। वह झूठी घोषणाओं पर ताली पिटवाने, वोट पाने के लिए कुछ भी घोषणाएं करेंगे और उन्हें पोर्टल पर दर्ज करने के लिए उनकी स्वीकृति लगेगी जो बाद में देना या नहीं देना उनके विवेक पर निर्भर होगा। अब यदि घोषणाओं के आधार पर जनता मुख्यमंत्री से सवाल करती है या आलोचना करेगी तो कहा जाएगा कि मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा नहीं की थी और वह पोर्टल पर भी दर्ज नहीं है। एक प्रकार से यह आम जनता के साथ धोखा नहीं है तो क्या है? अनैतिक और अलोकतांत्रिक आचरण नहीं है तो क्या है?

लोकतंत्र में सरकारों की जनता के प्रति जो जिम्मेवारियाँ होती है यह उन जवाबदारियों से बचाना जैसा है और आमजन के साथ धोखा एवं अविश्वास है। अब ऐसा प्रतीत होने लगा कि सरकार धीरे-धीरे अपने लोकतांत्रिक दायित्व से बचना चाहती है और एक प्रकार से यह घोषित उत्तरदायित्व रहित गैर जिम्मेदार व्यक्ति की तानाशाही की शुरुआत होगी।

आम जनमानस को चाहिए कि वह इस निर्णय का सार्वजनिक रूप से विरोध करें, मीडिया के माध्यम से चर्चा करें, अन्य तरीकों से मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखे, सरकार को पत्र लिखें और सरकार को इसे रोकने हेतु दबाव बनाएं।

मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि दुनिया में कोई भी पद स्थाई नहीं होता है। आम आदमी से खास लोगों को बचाने के लिए यह खतरनाक साबित होगा।

बिहार चुनाव

डॉ. रमेश ठाकुर

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, भारत सरकार

निर्णायक भूमिका में रहेंगी महिला वोटर

बीते कुछ दशकों से बिहार की आधी आबादी पुरुष मतदाताओं के मुकाबले सर्वाधिक मतदान कर रही हैं। अपने बूते जिसे चाहें उसे सत्ता सौंपने का मादा रखती हैं। हालिया, कुछ चुनावी सर्वेक्षण रिपोर्टस् संकेत इस बार भी ऐसे ही दिखा रही हैं। सर्वे बताते हैं कि बिहार चुनाव में महिलाएं लैंगिक सियासत की बदलती गतिशीलता की नई तस्वीर पेश करेंगी। हिंदी पट्टी वाले राज्यों में चुनावी समर में पुरूषों के मुकाबले महिला ज्यादा बढ़चढ कर हिस्सा लेती हैं जिनमें बिहार सबसे अव्वल है। चुनाव चाहे सांसदी के हों या विधानसभा के या फिर पंचायत के, सभी में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत सर्वाधिक रहा है। पूर्व के इन आंकड़ों को देखते हुए जारी बिहार चुनाव में तकरीबन सभी सियासी दल महिला वोटरों पर ही ज्यादा दांव लगा रहे हैं।

इतना तय है कि महिलाएं इस बार चुनावी गच्चा खाने के मूड में हैं नहीं? झूठे वादों में नहीं फंसेगी। पिछले चुनाव में एनडीए के खाते में 40 फीसदी वोट पड़ने वाला समूह शांत दिखाई पड़ता है। चुनावी वायदों को महिलाएं अपने नजरिए से परख रही हैं। बिहार के चुनावी उत्सव में चाहे महिला वोटर हों या विधायक एकाध दशकों में इनकी भागेदारी सरकारों में भी रही हैं। विधानसभा-2020 में महिला उम्मीदवारों ने रामनगर, धमदाहा, प्राणपुर, कोढ़ा, गौराबौराम, गोपालगंज, राजापाकर, महनार, कटोरिया, मोकामा, मसौढ़ी, संदेश, नोखा, नरकटियागंज, बेतिया, केसरिया, परिहार, बाबूबरही, फुलपरास, त्रिवेणीगंज, शेरघाटी, बाराट्टी, हिसुआ, बारसलीगंज और जमुई में विजयी पताका लहराया था।

महिलाओं के लिए मौजूदा विधानसभा-2025 चुनाव यह निर्धारित करेगा कि जनकल्याण के माध्यम से सशक्तीकरण वास्तिव स्वायत्ता में तब्दील होता है या सिर्फ चुनावी सुविधा ही बनकर रह जाएगा। पिछले आंकड़ों को देखकर भाजपा का पूरा फोकस महिलाओं पर है। तभी, तो उन्होंने चुनाव तारीखों की घोषणा से पूर्व ही 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' स्कीम के तहत लगभग 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में दस-दस हजार रूपए की नगद धनराशि पहले ही भेज दी हैं। पैसा पाकर महिलाएं खुश जरूर हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं की वह 'नोट के बदले वोट' देंगी या नहीं? इस स्कीम पर महिलाओं को संशय इसलिए है कि ये घोषणा नीतीश कुमार ने नहीं, बल्कि दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा हुई। क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी एक घोषणा उन्हीं के द्वारा की गई थी, जो अभी तक लागू नहीं हुई है। इन सभी तथ्यों की समीक्षाएं महिलाएं इस बार कर रही हैं। महिला वोटरों को रिझाने में कोई भी सियासी दल पीछे नहीं हैं? सभी अपनी-अपनी हैसियत अनुसार वादा कर रहे हैं? जबकि, बिहार में दूसरा सबसे मजबूत दल आरजेडी ने तो प्रत्येक परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी देने की भी घोषणा की है। कुल मिलाकर, बिहार का मौजूदा चुनावी गणित आधी आबादी के ईद-गिर्द ही घूम रहा है।

चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में 100 में 48 फीसदी वोटर आंकड़ा महिलाओं का है। पिछले चुनाव में रिकॉर्ड 40 फीसदी मतदान महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में किया था। इतनी वोटिंग इस बार भी जिस दल के पक्ष में होगी, वही बाजी मारेगा। हालांकि पिछले विधानसभा-2020 के चुनाव में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का ऐलान किया था। तो उस ऐलान को महिलाओं ने हाथों-हाथ लिया था। वोटरों के अलावा उम्मीदवार के तौर भी दर्जनों महिला इस बार भी मैदान में हैं। 11 विधानसभाओं में 10 पुरुष वोटरों की तुलना में 9 महिला मतदाता हैं। 11 विधानसभा क्षेत्रों से ही लिंगानुपात ठीक होने पर महिला विधायक निर्वाचित हुई जिनमें त्रिवेणीगंज, धमदाहा, कोढ़ा, राजापाकर, कटोरिया, संदेश, शेरघाटी, बाराचट्टी, हिसुआ, वारसलिगंज और जमुई विधानसभा शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव-2020 में एनडीए के लिए शराबबंदी का वादा तुरुप का पत्ता साबित हुआ था। महिलाओं ने खुलकर जेडीयू का समर्थन किया था। हालांकि वह वादा धरातल पर उतना कारगर साबित नहीं हुआ, जितने की उम्मीद महिलाएं लगाकर बैठी थीं। क्योंकि लोग शराब अब पी रहे हैं। ऐसा भी नहीं हुआ कि शराबबंदी के बाद बिहार में शराब का कहीं कोई टोटा दिखा हो। जितनी चाहो उतनी शराब तस्कर शराब मुहैया करवा देते हैं। चोरी छिपे धड़ल्ले से शराब की तस्करी जोरों पर है। शराबबंदी में शराब माफिया चांदी काट रहे हैं। प्रशासनिक मिलीभगत से अवैध शराब का धंधा खूब फलफूल रहा है। इसलिए इस बार महिलाओं का रुझान नीतीश के पक्ष में एकतरफा नहीं दिखाई देता। किधर मूव करेगा, ये भी कहना जल्दबाजी होगा। युवा आबादी तेजस्वी की ओर आर्कर्षित है, ऐसी तस्वीर उनकी रैलियों में भारी मात्रा में उमड़ती भीड़ बताती है।

महिलाएं निर्णायक भूमिका में होंगी, ये बात नीतीश से लेकर प्रधानमंत्री, तेजस्वी यादव भी जानते हैं। गुजरे 20 वर्षों से कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार को बदलकर नया चेहरा लाने को भी महिलाएं आतूर दिखती हैं। नीतीश के पीछे सत्ता विरोधी मुद्दे भी कई हावी हैं। वहीं, महाराष्ट्र की तरह इस चुनाव से भाजपा अपना स्वयं का प्रभुत्व स्थापित करना चाहती है। इस दिशा में उन्होंने जेडीयू और अपने लिए बराबर-बराबर सीट बांटकर पहला कदम बढ़ा भी दिया है। इसलिए ये चुनाव नीतीश के 20 वर्ष का सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय प्रदाता छवि से अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा भी कह सकते हैं। पिछले विधानसभा में भाजपा ने 74 सीटें जीती थी। जबकि, जेडीयू मात्र 43 पर सिमट गई थी, बावजूद इसके अनुकूल परिस्थितियों को भांपकर भाजपा ने दूसरे नंबर पर रहने का समझौता किया था। लेकिन इस बार की स्थिति पहले से जुदा है। दोनों दल 101-101 सीटों पर लड़ रहे हैं। चुनाव परिणाम में अगर भाजपा की एक भी सीट इस दफे ज्यादा आई, तो उनका मुख्यमंत्री किसी भी सूरत में बनेगा। अगर ऐसा हुआ, तो नीतीश कुमार फिर से पलटने में देर नहीं करेंगे।

मतदाता असमंजस में, हवा किसके पक्ष में?

बिहार चुनाव

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार है

बदलते समीकरणों के बीच मतदान के पहले बिहार चुनाव बहुत ही रोमांचक स्थिति पर पहुंच गया है। चुनाव की घोषणा के पूर्व बिहार में अपनी करीब तीन हजार किलोमीटर की पद यात्रा कर चुके प्रशांत किशोर ने नई पार्टी गठन कर पलायन और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर सत्ता परिवर्तन की लहर बनाने का प्रयास किया था। मीडिया के समक्ष भी उनके तेवर एक राजनेता के नहीं बल्कि प्रशासक के नजर आए। आंकड़ों की जानकारी और गणित को प्रशांत किशोर से बेहतर किसी ओर के लिए समझना आसान नहीं है, मगर चुनावी रणनीतिकार के रूप में ये ज्यादा कारगर होते है, असली राजनीति के गणित में दो और दो पांच भी संभव है। चुनाव का माहौल बनते बनते प्रशांत किशोर इसी गणित में उलझ कर लड़खड़ाने लगे। तेजस्वी और नीतीश मंत्रिमंडल के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले अपनी आय के स्त्रोत एवं राशि को लेकर पूछे जाने वाले सवालों पर उत्तेजित होने लगे। बावजूद इसके वे एक फैक्टर बन चुके है, वर्तमान स्थिति में सरकार के गठन में उनकी भूमिका अहम हो सकती है।

महागठबंधन के अभियान में वोट चोरी के मुद्दे को लेकर राहुल की यात्रा ने अच्छी भीड़ बटोरी, तेजस्वी ने भी अपनी भागीदार निभाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। विभिन्न सर्वे के तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद की पहली पसंद बताने से उनका आत्मविश्वास बहुत प्रबल था, वे चाहते थे कि कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करें। तेजस्वी वोट चोरी के मुद्दे के अतिरिक्त महंगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दों को प्राथमिकता देकर राजद का पक्ष मजबूत करने में लगे हुए थे। लेकिन राहुल की सोच थी कि कांग्रेस को उसकी खोई हुई जमीन वापस पाना है, इसलिए इस वक्त तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करना उचित नहीं। इस सवाल को वे प्रेस के सामने टाल गए। यही से गठबंधन के बीच में दरार दिखाई देने लगी, जो सीट शेयरिंग के समय खुलकर सामने आ गई। तेजस्वी ने बाद में अपनी पांच दिवसीय यात्रा अलग निकाल कर कांग्रेस को यह संदेश दे दिया कि वे अकेले भी चुनाव में उतर सकते है। गठबंधन के अन्य सहयोगी मुकेश साहनी शुरू से ही राजद और कांग्रेस के लिए स्वयं को उपमुख्यमंत्री घोषित करने को लेकर मुसीबत खड़ी कर रहे थे। कांग्रेस एवं साहनी की अधिक सीटों की मांग के चलते नामांकन वापसी तक कशमकश चलती रही नतीजन करीब 8 सीटों पर गठबंधन के उम्मीदवार आमने सामने है। राहुल गांधी के हकीकत को बहुत देर से समझ पाने के कारण नामांकन वापसी के एक दिन पूर्व संकटमोचक अशोक गहलोत एवं पवन खेड़ा ने पटना आकर लालू यादव एवं तेजस्वी से चर्चा कर उनकी मांगों को स्वीकार किया। शाम प्रेस कांफ्रेंस में गेहलोत ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री एवं साहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर स्थिति को काबू में किया। तेजस्वी युवाओं को सरकारी नौकरी एवं कुछ अस्थाई पदों को स्थाई करने का वादा कर युवा मतदाताओं को अपनी ओर खींचने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे। सीट बंटवारे से उभरी दरार को तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर भरने का प्रयास कितना सफल होगा कहना मुश्किल है, क्योंकि मतदान में बहुत कम समय रह गया है। साहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने से उनका वोट बैंक अब राजद और कांग्रेस के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेगा यह निश्चित है। इन निर्णयों से महागठबंधन फिर सत्ता की रेस में दिखाई देने लगा है।

चुनाव की घोषणा तक एनडीए के सत्ता में होने के बावजूद एकजुटता दिखाई नहीं दे रही थी। चिराग पासवान एनडीए में पिछले चुनाव के बाद शामिल हुए थे। जेडीयू से उनकी अनबन लगातार बनी हुई है, गठबंधन में शामिल होने के बाद वे अपना हिस्सा मांग रहे थे। मांझी एवं कुशवाह उनके सुर में सुर मिलाकर पिछली बार से अधिक सीटों की मांग को लेकर मैदान में थे। जेडीयू एवं बीजेपी के बीच छोटा भाई बड़ा भाई का पेंच फंसा हुआ था। अचानक दो तीन मर्डर होने, मंत्रिमंडल के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने से नीतीश कुमार घिरे हुए थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर अगली बार उनके मुख्यमंत्री न बनने की संभावना को हवा दी जा रही थी। प्रशांत किशोर भ्रष्टाचार को लेकर बहुत आक्रामक थे। अचानक नीतीश कुमार ने रणनीति बदली, ताबड़तोड़ महिलाओं के खाते में नई योजना के तहत एक मुश्त दस हजार रुपए ट्रांसफर करने के अतिरिक्त कई और लोकलुभावन वादों से जनता की झोली भर दी। इससे नीतीश कुमार ने अगली बार के लिए मुख्यमंत्री पद की अपनी दावेदारी को मजबूत कर दिया। यह भी सभी जानते है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है लेकिन सत्ता बीजेपी ही चला रही है। नीतीश कुमार के कमजोर पड़ने से बहुमत आने पर बीजेपी अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती इस तरह की बातों को विपक्ष जोर शोर से उठा रहा है। दोनों के बराबर सीटों पर लड़ने को लेकर विपक्ष नीतीश पर व्यंग करने से नहीं चूक रहा है। नामांकन के ठीक पहले अमित शाह ने सभी से चर्चाकर ऐसा सामंजस्य बनाया कि सभी सीटों के आवंटन से संतुष्ट नजर आए। लेकिन अमित शाह से मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर किए प्रश्न के उत्तर में उनके जवाब से विपक्ष को हमला करने का मौका मिल गया। मोदी जी ने भी अपने कल के दौरे में नीतीश बाबू के नाम के साथ अन्य नेताओं के नामों का उल्लेख कर सामूहिक नेतृत्व की बात की। अपने प्रचलित अंदाज में नारा लगवाते हुए कहा अबकी बार एनडीए सरकार। तेजस्वी के महा गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित हो जाने से एनडीए का पक्ष थोड़ा कमजोर लगने लगा है। ओवैसी दोनों गठबंधनों से अलग चुनाव लड़ किसका नुकसान ज्यादा करेंगे, यह भी चर्चा का विषय है। कुल मिलाकर नामांकन वापसी के आते आते तराजू का पलड़ा राजनीतिक हवा के झोंको से थोड़ा बहुत ऊपर नीचे होने लगा है। आने वाले पंद्रह दिनों में हवा किसके पक्ष में बहने लगेगी कहना कठिन है, फिलहाल मामला बराबरी का है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

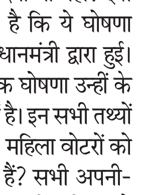

विनोद कुमार विक्की

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आई लव भ्रष्टाचार, आई लव करप्शन

शरीर में बसा प्रेम सड़कों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे गोल्ड मेडलिस्ट बंगाली बाबा अथवा मौलाना की असीम कृपा से जेन-जी, पीर जी और मुरीद जी सभी को संयुक्त रूप से खोये हुए प्यार की प्राप्ति हो चुकी है। हर बंदा प्यार जाहिर करने के लिए सड़कों पर बावला बना फिर रहा है। चाहे जो भी हो, हिंदी पखवाड़ा वाले सितंबर माह में वैलेंटाइन वीक वाले फरवरी माह की जबरदस्त फिलींग हुई है।

रईस फिल्म में शाहरुख की अम्मी जान ने एक मातृमंत्र दिया था कि 'कोई भी धंधा छोटा नहीं होता और धंधे से बड़ा कोई धर्म नहीं होता।' रईस ने अम्मी की बातों पर अमल करते हुए प्रतिबंधित शराब तस्करी को ही अपना धंधा और धर्म दोनों मान लिया था। कर्म ही धर्म है, धंधा ही धर्म है, तक तो चलो ठीक था, किंतु वर्तमान में कुछ कनखजूरों ने धर्म को धंधा बना डाला है। धर्म से याद आया इन दिनों आई लव... का ट्रेंड भी परवान चढ़ा हुआ है।

जैसा कि हम होमोशैपियंस को ज्ञात है 'धारयति इति धर्मः' अर्थात जो धारण करने योग्य हो वही धर्म होता है। जीवन में सकारात्मक हो या नकारात्मक प्रत्येक धारित आचरण धर्म ही होता है। मानवीय जीवन में ईमानदार, बेईमान, वफादार, गद्दार, स्वार्थ, परमार्थ आदि गुण धर्मों की उपस्थिति का विशेष महत्व होता है, जो उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाती है। उदाहरण स्वरुप माननीय से लेकर महाशय तक आजीविका अनुष्ठान में करप्शन और गबन से हवन की आहुति दे कर माया और मोक्ष प्राप्त करने में लगे हुए हैं। अपने संपूर्ण जीवन काल में माननीय पद, पावर और पैरवी से जितना अगाध प्रेम करते हैं, उतना पार्टी, परिवार, परम पिता अथवा पब्लिक से नहीं कर पाते। यह और बात है कि इस बात का ना तो इन्हें घमंड है और ना ही 'आई लव कुर्सी' लिखीं तख्तियां हाथों में लेकर सड़कों पर कभी दिखावा किया।

इसी प्रकार एक भ्रष्ट सरकारी सेवक की जितनी आस्था चाय-पानी, ऊपरी आमदनी, घूस अथवा रिश्वत के प्रति होती है उतनी घर अथवा रिलेटिव के प्रति नहीं होती। लेकिन इतिहास साक्षी है इतनी अटूट आस्था और श्रद्धा के बावजूद इन दोनों जंतुओं ने फरवरी हो या सितंबर कभी भी 'आई लव करप्शन' का खुलेआम इज़हार नहीं किया। अपने इस प्रेम को वो जगजाहिर नहीं करते, क्योंकि इन्हें मालूम है कि प्रेम अलौकिक होता है, इसे प्रकट या प्रदर्शित नहीं किया जा सकता। जबकि भीड़ मासूम होता हैं, मार्गदर्शन मिलते ही मुहब्बत की तख्ती लेकर मार्केट में उतर जाते हैं।

शेयर बाजार की तरह जोखिम से भरे मुहब्बत की मार्केटिंग आदि काल से ही हो रही है और विवादित भी रही है। यथा, लैला-मजनूं, हीर-रांझा का दैहिक प्रेम हो, पाक का आतंक प्रेम, रूस-इजरायल का भारत प्रेम, जयचंदों का विदेश प्रेम, भक्तों एवं चमचों का राजनीतिक प्रेम,ट्रंप का टैरिफ प्रेम आदि सभी वेरायटी की मुहब्बत स्थिति और परिस्थिति वश देखने को मिल जाती है।

इन दिनों राजनीति, सरकारी अथवा ग़ैर सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार नीति का निर्वहन करना उतना ही चुनौतीपूर्ण बन चुका है, जितना पाकिस्तान के लिए शांति का नोबेल सम्मान प्राप्त करना। कुकुर मुत्ते की तरह पनप रहे युट्यूबर, सीसीटीवी कैमरा, विजिलेंस आदि से बच-बचा कर एवं स्थायी नौकरी को दांव पर लगाने वाले भ्रष्ट सरकारी कर्मी के रिश्वत प्रेम का कभी मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इस प्रेम में शत-प्रतिशत जोखिम होने के बावजूद सरकारी सेवक द्वारा इस अंतर्निहित प्रेम को कभी खुलेआम प्रदर्शित नहीं किया जाता है। अरबों रुपए की योजना को उदारता के साथ उदर में समायोजित करने वाले गबन प्रेमी माननीय कभी भी डकार ले कर अपने भ्रष्ट प्रेम की बू को पड़ोसी तक फैलाने नहीं देता। यह और बात है कि इन कर्णधारों के रिश्वतमोह अथवा गबन प्रेम से जलने और चिढ़ने वाली मीडिया को ही इनके आचरण से आपत्ति रही है।

बहरहाल बैनर और तख्तियों के साथ लोकतंत्र में भीड़ तंत्र द्वारा सड़कों पर रायता की तरह फैलाए जा रहे प्रेम की स्थिति देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह दिन दूर नहीं जब इनसे प्रेरित होकर माननीय और महाशय भी 'आई लव करप्शन', 'आई लव भ्रष्टाचार' मुद्रित पोस्टर हाथों में और तख्तियां गले में लटका कर अपने प्रेम का प्रदर्शन करने पथों पर उतर आए।

न्याय और कानून

सामाजिक सरोकार-1

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

सामाजिक सरोकार के मामले पर हाई कोर्ट का संज्ञान

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दमोह जिले में ओबीसी समुदाय के एक व्यक्ति को पैर धोकर पानी पीने के लिए मजबूर करने की घटना स्वतः संज्ञान लिया और इस मामले में गंभीर टिप्पणी की। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जातीय हिंसा और भेदभाव की घटनाएं बार-बार सामने आ रही है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह जारी रही, तो आने वाले डेढ़ सौ वर्षों में 'हिन्दू' नाम की कोई एकता नहीं बचेगी। उक्त खंडपीठ ने आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

हाल ही में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने समाज में व्याप्त भेदभाव और छुआछूत पर स्वप्रेरणा से महत्वपूर्ण आदेश दिया है। यह फैसला सामाजिक सरोकार से प्रेरित माना जाएगा। समाज में इस आधुनिक युग में भी व्याप्त आपसी ताने-बाने को कमजोर करने वाली प्रवृत्ति की ओर भी यह फैसला इंगित करता है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन एवं न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ द्वारा दिए गए इस आदेश को ऐतिहासिक माना जाना चाहिए। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन अपनी नई सोच के लिए मशहूर है। वे अभी इस कारण भी चर्चा में आए कि उनका स्थानांतरण सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ किया गया था। बाद में भारत सरकार के अनुरोध पर उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजा गया। यह पहली बार हुआ है कि भारत सरकार के अनुरोध पर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने स्थानांतरण के आदेश में परिवर्तन किया और उसे अपने आदेश/कार्यवाही में अंकित भी किया।

यह मामला एक ओबीसी युवक को दूसरे के पैर धोने के लिए मजबूर करने का मामला है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने आरोपियों को एनएसए के तहत हिरासत में लेने पर सवाल उठाए। न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा कि उन्होंने ओबीसी समुदाय के एक युवक को दूसरे के पैर धोने के लिए मजबूर करने के आरोपी व्यक्तियों को न्यायालय के उस आदेश जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत भी शामिल है, उसके आधिकारिक तौर पर अपलोड होने से पहले ही हिरासत में क्यों लिया? न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की बेंच ने मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जातीय हिंसा और भेदभाव की घटनाएं बार-बार सामने आ रही है। यही वह राज्य है, जहां एक सामान्य वर्ग के व्यक्ति ने एक आदिवासी पर मूत्र त्याग किया था और तब मुख्यमंत्री ने उस पीड़ित के पैर धोकर माफी मांगी थी। समाज में हर जाति अपनी पहचान को अति उत्साह से प्रदर्शित कर रही है। इससे हिंदू समाज का आपसी ताना-बाना कमजोर हो रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह जारी रही, तो आने वाले डेढ़ सौ वर्षों में 'हिन्दू' नाम की कोई एकता नहीं बचेगी। उक्त खंडपीठ ने आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। हालांकि, स्वतः संज्ञान मामला 15 अक्टूबर को सुबह 11:39 बजे एक रिट याचिका के रूप में दर्ज किया गया।

15 अक्टूबर को न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की एक अन्य खंडपीठ ने रिट याचिका पर विचार किया। इस खंडपीठ ने सवाल उठाया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 14 अक्टूबर को ही कार्रवाई क्यों की, जबकि मामला औपचारिक रूप से 15 अक्टूबर को ही दर्ज किया गया। दमोह के जिला मजिस्ट्रेट ने 14 अक्टूबर को ही पांच आरोपियों को रासुका के तहत हिरासत में लिया था। खंडपीठ ने कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि दमोह की पुलिस अधीक्षक ने 15 अक्टूबर को 11:39:26 बजे दर्ज किया। रिट याचिका के रजिस्ट्रेशन की प्रतीक्षा किए बिना, हस्ताक्षरित प्रति के रूप में उन्हें आधिकारिक रूप से सूचित किए बिना, मौखिक आदेश पर संज्ञान ले लिया। सुनवाई के दौरान, सीनियर एडवोकेट नमन नागरथ ने तर्क दिया कि गुरुवार को खंडपीठ द्वारा लिया गया स्वतः संज्ञान अधूरा है और इसलिए उचित नहीं है।

उन्होंने न्यायालय के समक्ष विचारार्थ दो मुद्दे भी रखे। (एक) समन्वय पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए अपनी स्वप्रेरणा शक्ति का उचित ढंग से प्रयोग किया? (दो) क्या समन्वय पीठ द्वारा पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के प्रावधानों को लागू करने का निर्देश

देना उचित है? जबकि, उसने स्वयं यह भी कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई आमतौर पर कार्यपालिका के विवेकाधिकार के अंतर्गत आती है। यह देखते हुए कि रिट याचिका 15 अक्टूबर, सुबह 11:39 बजे दर्ज की गई, नागरथ ने दलील दी कि पुलिस ने मौखिक निर्देश पर उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर कोई औपचारिक आदेश अपलोड होने से पहले ही जल्दबाजी में कार्रवाई की। नागरथ के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने 14 अक्टूबर को आधिकारिक माध्यम से आदेश दिए बिना अन्नू पांडे सहित चार व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। इसके अलावा, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक ने भी औपचारिक आदेश की प्रतीक्षा किए बिना 14 अक्टूबर को रासुका के तहत हिरासत के आदेश जारी कर दिए। कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए सीनियर एडवोकेट नागरथ द्वारा दायर अंतरिम आवेदन पर गौर करते हुए न्यायालय ने पाया कि उन्होंने अपने रुख से पलटी मार ली। उन्होंने पहले कहा था कि चारों आरोपियों को हिरासत में लिया गया, लेकिन बाद में पलटी मारते हुए कहा कि उन पर रासुका नहीं लगाया गया।

अतिरिक्त महाविधवक्ता जान्हवी पंडित ने दावा किया कि पुलिस अधीक्षक ने सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार कार्रवाई की। यह भी कहा गया कि न्यायालय के रीडर ने डिप्टी एडवोकेट जनरल अभिजीत अवस्थी को बुलाकर आदेश की व्हाट्सएप कॉपी सौंपी थी। पंडित ने यह भी बताया कि 14 अक्टूबर के आदेश के अनुपालन में 5 लोगों के खिलाफ रासुका की धारा 3(2) का प्रावधान लागू किया गया। उच्च न्यायालय ने राज्य की रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि रासुका की धारा 3(2) के अलावा, बीएनएस की धारा 196(2), 352, 351(2) भी जोड़ी गईं। न्यायालय ने कहा कि पुलिस अधीक्षक ने औपचारिक आदेश की प्रतीक्षा किए बिना, मौखिक आदेशों के आधार पर संज्ञान ले लिया।

इसलिए न्यायालय ने राज्य सरकार को कुछ मुद्दों पर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने (एक) ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, जिन्होंने कथित तौर पर तथाकथित आरोपी कुशवाहा को फटकार लगाने के लिए एक बैठक बुलाई? (दो) पुलिस अधीक्षक, दमोह के समक्ष क्या सामग्री प्रस्तुत की गई और उक्त सामग्री पर उनका क्या विचार था, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के प्रावधानों को लागू किया जा सके? (तीन) क्या दिनांक 14 अक्टूबर के आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त किए बिना और रिट याचिका के पंजीकरण के बिना पुलिस अधीक्षक ने 14 अक्टूबर का आदेश पारित करने के लिए न्यायालय ने यह भी संज्ञान लिया कि कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने 14 अक्टूबर को ही निरोध आदेश पारित किया। इसलिए न्यायालय ने जिला मजिस्ट्रेट और संबंधित पुलिस अधीक्षक को एक हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया। न्यायालय ने यूट्यूब न्युज चैनल सत्य हिंदी-एमपी, पंजाब केसरी और लल्लनटॉप से भी उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली गई सामग्री की सत्यता के बारे में जवाब मांगे। इस तरह की घटनाओ पर कई कड़े कानून है। पिछड़े वर्ग में अनुसूचित वर्ग एवं जातियों के लिए एक अधिनियम केवल इन कार्यो को रोकने के लिए है। इसे जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 का नाम दिया गया है।

(शेष अगले कॉलम में)

पुस्तक चर्चा

पद्माकर पागे

समीक्षक

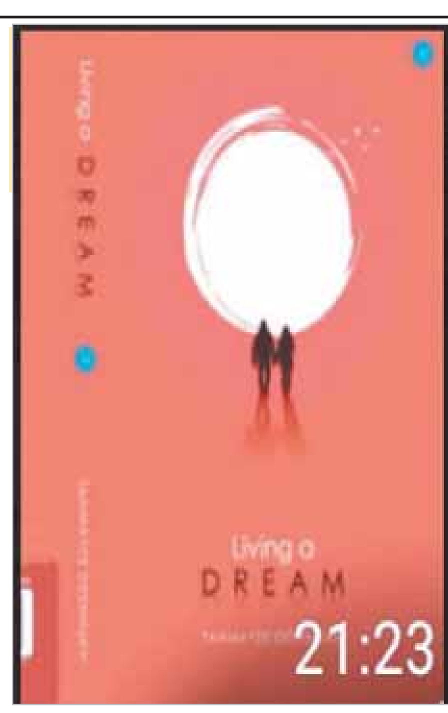

आस बंधाता है सपने में जीते हुए

जीवन एक स्वप्न है या स्वप्न ही जीवन है। हर एक व्यक्ति के जीवन में कुछ बनना या कुछ कर गुजरने की इच्छा बनी रहती है और यह ख्वाब वह हमेशा देखता रहता है और पूर्ण करने के लिए प्रयत्नशील भी। 'लिव्हिंग ए ड्रीम' तनमयी देशमुख का लिखा एक अंग्रेजी उपन्यास है।

उपन्यास से गुजरते हुए यह अनुभव होता है कि तान्या उपन्यास की मुख्य किरदार है और उपन्यास उसी पर केंद्रित है। तान्या के जीवन प्रारंभ होने के कुछ वर्षो बाद ही माता-पिता गुजरने के बाद वह एकाकी जीने के लिए रह जाती है। इसी समय उसकी दादी उसके जीवन का हिस्सा बनती है और तान्या उनके साथ रहने लगती है दादी की एक बेकरी है उनके साथ रहते हुए उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है और उनके साथ- साथ जीवन व्यतीत करने लगती है।

तान्या को इस बीच एक मित्र या यो कहे की उनके परिवार को एक मददगार के रूप में एक व्यक्ति मिल जाता है जो दादी के परिवार से संबंधित है और यह मित्रता धिरे-धिरे एक अपनत्व और आकर्षण बन जाता है। जीवन में मेल मिलाप सैर सपाटा उनको निकटता के साथ एक अदृश्य प्रेम के रूप में जन्म लेता है जो चाहते हुए भी प्रकट न करते हुए जीते है। कुछ समय पश्चात परिस्थितियां ऐसा जन्म लेती है कि मित्र का विवाह संबंध तय होना एक दूसरे को दूर होने को जन्म देती है।

कहते हैं ना जो संबंध बनते हैं वो इतने भावना प्रदान व दिल के करीब हो जाते है कि दूर होना तो कठीन असहनीय होता है,लेकिन तान्या को यह एकाकी जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है तान्या यह व्यथित मन से जीने को मजबूर है।

जीवन में देखे गये स्वप्न कठीन होते है पर जीने के लिए बाध्य करते है। तान्या इसी दौर से गुजरती है। ऐसा भी समय के साथ होता है कि समय ऐसी करवट लेता है कि परिस्थितियां अनुकूल हो जाया करती है। तान्या के साथ ऐसा ही होता है।

मित्र का विवाह न हो पाना कुछ समय की दूरियां एक बार फिर उनको करीब ले आती है। इस बीच वह कई सुखद -दुःखद घटनाओं का सामना करती है। बेकरी में काम करने वाले व दादी के संबंधी परिवार के सहयोग के साथ वह साहस के साथ आगे बढ़ती है। मित्र का फिर करीब आना व समय परिवर्तन दोनों को साथ लाती है और वे पवित्र बंधन में बंध कर एक हो जाते हैं।

उपन्यास में कई मौके ऐसे आते हैं कि पाठक पढ़ते-पढ़ते भावुक हो तान्या के साथ एकाकार हो जाता है। तनमयी का उपन्यास किसी व्यक्ति के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव व परिस्थितियों को बखूबी प्रस्तुत करता है। साथ ही भविष्य की रचनाओं के लिए सकारात्मक आस बंधाता है।

अखिल भारतीय कालिदास समारोह

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

मेघदूत क्यों नहीं आया इस बार?

वर्ष 1982 में महादेवी वर्मा उज्जैन आई थीं। तब उन्होंने विक्रम कीर्ति मंदिर के सभागार में यह कहकर सभी कों चौंका दिया था कि पंडितों ने ही संस्कृत को कैद करके रखा है। यह बात उन्होंने अपने निजी अनुभवों के आधार पर कही थी। महादेवी जी की बात आज भी सच मालूम होती है। संस्कृत के पंडितों को लगता है कि कालिदास की कविता केवल उन्हीं के लिये है, और वे ही कालिदास की कविता के रसिक हैं। यही वजह है कि कालिदास समारोह की शोध संगोष्ठियों में आये हुए संस्कृत के विद्वान एक-दूसरे को सुनाते हैं, और खुश रहते हैं। यह क्रम सालों से चला आ रहा है। बहुत कम बार ऐसा हुआ कि कोई नया विचार निकलकर सामने आया हो। वही पिष्टपेषण, वही पुनरावृत्तियाँ।

इस बार के कालिदास समारोह में मेघदूत न तो रंगमंच का विषय है, न किसी सारस्वत व्याख्यान का। मेघदूत को समारोह से बाहर क्यों रखा गया? क्या मेघदूत के बिना महाकवि के जीवन पर कोई बात हो भी सकती है?

वर्ष 1982 में महादेवी वर्मा उज्जैन आई थीं। तब उन्होंने विक्रम कीर्ति मंदिर के सभागार में यह कहकर सभी कों चौंका दिया था कि पंडितों ने ही संस्कृत को कैद करके रखा है। यह बात उन्होंने अपने निजी अनुभवों के आधार पर कही थी। महादेवी जी की बात आज भी सच मालूम होती है। संस्कृत के पंडितों को लगता है कि कालिदास की कविता केवल उन्हीं के लिये है, और वे ही कालिदास की कविता के रसिक हैं। यही वजह है कि कालिदास समारोह की शोध संगोष्ठियों में आये हुए संस्कृत के विद्वान एक-दूसरे को सुनाते हैं, और खुश रहते हैं। यह क्रम सालों से चला आ रहा है। बहुत कम बार ऐसा हुआ कि कोई नया विचार निकलकर सामने आया हो। वही पिष्टपेषण, वही पुनरावृत्तियाँ।

महाकवि कालिदास को भोग और विलास का कवि मानने वालों की कमी नहीं है। कालिदास का साहित्य इतना उथला नहीं कि सरसरी तौर पर पढ़कर हाथों हाथ कोई निष्कर्ष दे दे। कालिदास की कविता भरपूर जीवन का आग्रह तो करती है, लेकिन वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों से अनजान भी नहीं है। कालिदास आज की तरह सुख-सुविधाएँ भोगते हुए साहित्य रचने वाले कवि नहीं हैं। महाकवि कालिदास का सच्चा जीवनवृत्त किंवदन्तियों और कल्पित कथाओं को चीर कर बाहर निकल आये, तो आश्चर्य नहीं कि कालिदास शोषितों और असहायों की ओर से लड़ने वाले कवि ही दिखाई दें। कालिदास का जीवन सीधी सरलरेखा में नहीं है। वहाँ बड़े उतार-चढ़ाव हैं। उन्होंने अपने जीवन में बार-बार अभिशाप झेले हैं। शायद इसीलिये हिन्दी के जनकवि बाबा नागार्जुन पूछते हैं- सच सच बतलाना कालिदास! रोया यक्ष कि तुम रोये थे?

संस्कृत के पंडितों के बीच यह बात बार-बार दोहराई जाती है-'मेघे माघे गतं वयः' अर्थात् मेघदूत ओर माघ कवि का साहित्य पढ़ने में ही पूरी उम्र बीत जाती है। मेघदूत कालिदास की इतनी महत्वपूर्ण रचना है कि वे और कुछ न लिखते, तो भी अमर हो जाते। कालिदास के पूरे जीवन को मेघदूत अपने में समेटे हुए है। मेघदूत नहीं, तो कालिदास भी नहीं। तब मेघदूत के बिना कालिदास समारोह तो खाली-खाली सा लगता है।

कालिदास मेघदूत सुनाकर उनका मन बहलाना चाहते हैं, जिनका जीवन दुविधा में है और जो अपने घर-परिवार से अलग कर दिये गये। वे उनके दिलों पर और गर्म साँसों पर शीतल जल की कुछ बूँदें छिटक देते हैं, जिनका जीवन अभिशप्त होकर दुःख की कहानी बन गया है। मेघदूत के जरिए महाकवि यह संदेश देने में सफल हुए हैं कि दुःख की शिराओं में भी सुख की पतली धारा बहती है। एक आहत और सब ओर से निराश यक्ष हमें पूरे भारत की सांस्कृतिक यात्रा पर ले चलता है और प्रणय के कितने खूबसूरत चित्र हमारे मानस में उकेर देता है। यह तो वही समझता है, जिसने मेघदूत को तीर्थयात्रा की तरह लिया। महाकवि कालिदास भारत में कहाँ-कहाँ गये, कहाँ-कहाँ रमे, इसका प्रमाण मेघदूत देता है।

कहा यही जाता है कि मेघदूत में महाकवि कालिदास अपनी ही कहानी सुना रहे हैं। वे किसी न किसी सामन्तशाही से सताये गये लगते हैं। ऊपर से यह कि वे किसी को उलाहना भी नहीं दे सकते। व्यंजना में भी नहीं। मेघदूत में एक भी जगह कुबेर के विरुद्ध कुछ नहीं है। किन्तु कालिदास के मेघदूत में समय बोलता है। चारों तरफ सम्पन्नता है, वैभव है, समृद्धि है। यक्ष दिल खोलकर उसका वर्णन करता है, लेकिन वह स्वयं कहाँ है? वह तो किसी को अपने मन की व्यथा बता भी नहीं सकता। इसी छटपटाहट में वह बादलों के आगे गिड़गिड़ाता है, उनकी मनवार करता है। बादलों ने यक्ष की बात सुनी या नहीं, इसका भी मेघदूत में कहीं उल्लेख नहीं। हाँ, यह जरूर है कि अपनी पूरी बात कह लेने के बाद यक्ष मेघदूत से यह कहकर सबसे ऊँचा उठ जाता है-'मा भूदेव क्षणमपि च ते विद्युता विप्रयोगाः' हे मेघ! क्षण भर के लिये भी तेरा अपनी प्यारी बिजली से वियोग न हो। यक्ष का यह औदार्य, यह निर्विकार प्रेम ही मेघदूत की अपनी पूँजी है।

मेघदूत का यक्ष भारतवर्ष की उस प्रगतिशील परम्परा का नायक है, जो अवसाद में चले जाने की परिस्थिति में भी उत्सव मनाना जानता है। देव जाग उठे हुए हों, तो वह उनके सामने रोनी सूरत बनाकर नहीं, आनंद के उत्सव का एक पूरा उपन्यास लेकर जाना चाहता है। रामगिरि आश्रम के पवित्र एकांत में निश्छल-मन वह काली घटाओं से घिरा हुआ यही सपना बुनने लगता है। वह एकाकी है तो क्या हुआ? कुबेर कुपित है तो क्या हुआ? सपने तो उसके अपने है। हमारे देश में धन से जो जितना गरीब, वह मन से उतना ही अमीर। पूरे मेघदूत में यक्ष एक बार भी मतलबी या कृतघ्न दिखाई नहीं देता। उसके हृदय में तो वह तन्वी श्यामा बसी है, जिसे यक्ष विधाता की सबसे सुंदर रचना मानता है, लेकिन वह हमें उड़ा ले चलता है माल, आम्रकूट, विन्ध्याचल, विदिशा,अवन्ती, दशपुर, कनखल, हिमालय, क्रौंचरन्ध्र, कैलास से होते हुए अलकापुरी की उस स्वप्ननगरी में, जिसे आज तक यक्ष को छोड़कर दूसरा कोई नहीं देख पाया।

कुबेर ने चाहे जितना सताया हो यक्ष को, चाहे जितना अकेला पटक दिया हो उसे, लेकिन रामगिरि के आश्रम में यक्ष प्रेरणा वहाँ से लेता है, जहाँ सीताजी के स्नान कर लेने मात्र से वापी का जल पवित्र है। वह दुःखी तो बहुत है, लेकिन किसी अधम के आगे हाथ जोड़कर याचना करने के विरुद्ध है। 'याञ्चामोघावरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।' ये संस्कार है उसके। उसके पास यह समझ है कि उत्कृष्ट व्यक्ति से की गई याचना विफल भी हो जाये तो वह श्रेयस्कर है, लेकिन कोई निकृष्ट व्यक्ति याचना पूरी कर भी दे तो वह हितकारी नहीं। तभी तो वह उस मेघ के आगे हाथ फैलाता है, जिसके पुष्पकावर्तक नाम के वंश को वह जानता है। यक्ष इसलिये कालिदास की कविता का नायक है, क्योंकि वह किसी धनपति के आगे हाथ नहीं फैलाता, लेकिन निसर्ग के आगे पुष्पांजलि के साथ निवेदित हो जाता है।

मेघदूत की कहानी कालिदास की अपनी कहानी है। वह आम आदमी की कहानी भी है। यह ऐसी भाव-विह्वल कर देने वाली विलक्षण कविता है, जिसे ढूँढने के लिये कभी कल्पनालोक में गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर उज्जयिनी चले आये थे। काव्य-रसिक आज भी इसीलिए आती हैं यहाँ। कालिदास को जानना हो, तो मेघदूत से बेहतर कुछ नहीं। इस वर्ष कालिदास समारोह में आये हुए संस्कृत के विद्वान खुले मन से आम जनता के सामने मेघदूत के पन्ने खोलकर रख दें, तो लोगों को तृप्ति मिले, और महाकवि कालिदास की आत्मा को भी।

आदित्य की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरा आदिवासी समुदाय

मुलताई बंद का रहा मिला-जुला असर, थाने के सामने दो घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन

बैतूल/मुलताई। आदिवासी युवक आदित्य टेकाम की हत्या के विरोध में आदिवासी संगठनों का आक्रोश मुलताई की सड़कों पर दिखाई दिया। रैली और प्रदर्शन के माध्यम से आदिवासी नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों, मृतक आदित्य के हत्यारों को कड़ी सजा दी जाए और परिजनों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। प्रदर्शन के दौरान आदिवासी समाज ने मुलताई पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। जयस जिला अध्यक्ष संदीप धुर्वे, रमेश सरियाम, राजा धुर्वे, महेश उइके एवं मनोज उइके के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आदिवासी युवा और महिलाएँ थाना परिसर के सामने मुख्य मार्ग पर पहुँचे, जहाँ वे दो घंटे से अधिक समय तक बैठकर एसपी को मुलताई बुलाने की मांग करते रहे। इस दौरान एसडीओपी एके सिंह एवं एसडीएम राजीव कहार लगातार प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास करते रहे, किंतु सभी एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी आंदोलन स्थल पर पहुँची और आदिवासी समाज का ज्ञापन स्वीकार किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आदित्य के हत्यारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और परिजनों को सहायता राशि की अनुशंसा शीघ्र की जाएगी।

मुलताई बंद का रहा मिला-जुला असर- हाल ही में बस स्टैंड क्षेत्र में हुई आदित्य टेकाम की हत्या के विरोध में आदिवासी समाज द्वारा आज घोषित मुलताई बंद का नगर में मिला-जुला असर रहा। बीती रात ही हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की सूचना सामने आने के बाद सुबह माना जा रहा था कि नगर में बंद का असर कम रहेगा। सुबह अधिकांश दुकानें खुली रहीं, किंतु बाद में आदिवासी संगठनों से जुड़े युवाओं ने नगर भ्रमण कर दुकानदारों से बंद में सहयोग की अपील की। इसके बाद बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक से लेकर नाका नंबर एक तक अधिकांश दुकानें बंद हो गईं। गांधी चौक में भी बाजार बंद रहा। इसके उपरांत सभी संगठन से जुड़े महिला-पुरुष कृषि उपज मंडी में एकत्र हुए, जहाँ से रैली के रूप में अंबेडकर चौक, फव्वारा चौक होते हुए थाना परिसर पहुँचे और ज्ञापन सौंपा।

पारिवारिक सहायता हेतु एक करोड़ मुआवजे की मांग- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी को सौंपे गए ज्ञापन में आदिवासी संगठनों ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, तथा आरोपियों को वयस्कों की तरह फांसी की सजा देने की मांग की। ज्ञापन में आदिवासी संगठनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र में केवल प्राथमिक उपचार की सुविधा है, पर्याप्त चिकित्सक और संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। उपचार में देरी के कारण आदित्य की मृत्यु हुई। संगठनों ने मांग की कि स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टरों की पदस्थापना की जाए और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएँ।

पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुलताई पुलिस ने हत्या के मामले में धारा 103(1), 109, 296, 351(3) भारतीय न्याय संहिता तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं 3(1)(द), 3(2)(व) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग है। वहीं अन्य आरोपी राहुल उर्फ करण उर्फ धोपाडे पिता मुन्नालाल पवार, उम्र 19 वर्ष, निवासी मासोद रोड मुलताई,शुभम उर्फ टिक्कू मंसूरे पिता जगदीश मंसूरे, उम्र 18 वर्ष 3 माह, निवासी गांधी वार्ड मुलताई शिवम मंसूरे मुलताई पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

इनका कहना है -

हत्या के चार आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पीड़ित परिवार के मुआवजे के मामले में विभाग प्रकरण बनाकर आदिम जाति कल्याण विभाग को शीघ्र भेज रहा है, ताकि समिति पीड़ित को उचित मुआवजा उपलब्ध करा सके।

- कमला जोशी,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला बैतूल

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा का सम्मेलन आयोजित

स्वदेशी से ही देश आत्मनिर्भर बनेगा: सावित्री ठाकुर

धार। आत्मनिर्भर भारत सकल्प अभियान एवं जीएसटी बचत उत्सव के तहत जिला महिला मोर्चा द्वारा रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में महिला मोर्चा का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री व महू विधायक उषा ठाकुर दीदी मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री धार सांसद सावित्री ठाकुर भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती,विधायक नीना वर्मा ने सम्मेलन को संबोधित किया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कुसुम सौलंकी, आत्मनिर्भर भारत सकल्प अभियान जिला संयोजक प्रेमचंद परमार, जनपद बदनावर उपाध्यक्ष ममता पाटीदार मंचासीन रहें।

सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर विधिवत आरंभ किया गया।

मुख्य अतिथि सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मंशा है कि हम सभी देशवासी स्वदेशी अपनाएं इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा। हमें अपने देश में निर्मित वस्तुओं का दैनिक जीवन में इस्तेमाल करना चाहिए। इससे स्थानीय, देश के लोगों को रोजगार मिलने के साथ देश का पैसा देश में ही रहेगा। इससे स्थानीय उत्पादकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन पर लगने वाला टैक्स सरकार को मिलेगा जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से देश के विकास कार्यो में यानी हमारे काम आएगा। नारी वंदन बिल पास कर मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया। प्रदेश की डॉ मोहन यादव सरकार ने महत्वपूर्ण लाडली बहना योजना से प्रदेश की नारी आत्मनिर्भर हो रही है। उषा ठाकुर ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, स्वदेशी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी संकल्प हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सभी को इस संकल्प को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। स्वदेशी संकल्प केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि के प्रति हमारा प्रेम और समर्पण है। आत्मनिर्भर भारत स्वावलंबन की एक झलक है। समाज संस्कारित होगा तो देश संस्कारित होगा और देश संस्कारित होगा तो राष्ट्र संस्कारित होगा यही हमारा मूल मंत्र है। निलेश भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प पूरा हो रहा है कि देश में शोषित वंचित महिलाए आत्मनिर्भर बन रही है। मोदी के नेतृत्व में सेना का नेतृत्व देश की नारी कर रही है। यह हम सब के लिए गर्व की बात है। नीना वर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना भाजपा सरकार ही कर सकती है इस मातृशक्ति पर देश की संस्कृति टिकी हुई है,देश प्रदेश की प्रत्येक महिला रोजगार से जुड़े और आत्मनिर्भर बने।

इनका हुआ सम्मान- भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि महिला सम्मेलन में अतिथियों द्वारा सामाजिक क्षेत्र में विशेष कार्य करने पर नगर की राखी गायकवाड , वर्षा जोशी, चेतना राठौड़, रीता घोडगावकर,प्रेमलता परमार का शाल श्रीफल पुष्प माला से सम्मानित किया गया। संचालन रीमा राठौर व आभार प्रज्ञा ठाकुर ने माना। सम्मेलन में नगर की प्रबुद्धजन, व्यापारी, उद्यमी उपभोक्ता महिलाए सहित महिला मोर्चा की बहनें उपस्थित थी।

डॉ. रानू वर्मा क्लास-वन मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदोन्नत

बैतूल। जिला अस्पताल बैतूल में लंबे समय से आरएमओ (रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर) के पद पर सेवाएँ दे रहे डॉ. रानू वर्मा को मेडिकल स्पेशलिस्ट क्लास वन पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर अस्पताल परिवार में हर्ष का माहौल है। पदोन्नति के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, डॉ. रूपेश पद्माकर, रक्तकोष अधिकारी डॉ. अंकिता सीते, कमलेश सातनकर, डॉ. रंजीत राठौर सहित अन्य चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ ने डॉ. वर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. रानू वर्मा ने जिला अस्पताल में अपने कार्यकाल के दौरान सदैव मरीजों की सेवा को सर्वोपरि रखा है। वे अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज के उपचार में तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हैं।

भावांतर योजना के लिए हेल्पलाइन कॉल सेंटर प्रारंभ

बैतूल। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई भावांतर योजना-2025 के अंतर्गत सोयाबीन की खरीदी में मदद के लिये भावांतर हेल्पलाइन सुविधा प्रारंभ की गई है। हेल्पलाइन का दूरभाष नंबर 0755-2704555 है। योजना के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए किसान, व्यापारी संगठनों, मंडी बोर्ड / मंडी समितियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा के लिए भावांतर हेल्पलाइन कॉल सेंटर प्रारंभ किया गया है। यह हेल्पलाइन 30 अक्टूबर 2025 से निरंतर योजना अवधि तक कार्यरत रहेगी। हेल्पलाइन प्रतिदिन प्रातः 07 बजे से रात्रि 11 बजे तक निरंतर कार्य करेगी। योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा समस्या के समाधान के लिए कोई भी किसान, व्यापारी अथवा संबंधित व्यक्ति हेल्पलाइन से संपर्क कर सकता है।

बैतूल की बेटियों ने राज्य स्तरीय शालेय में जीते 6 स्वर्ण पदक

बैतूल। ग्राम भडूस की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने वेट लिफ्टिंग जैसे पॉवर गेम में अपना लोहा मनवाया है। यह निरंतर दूसरी बार है जब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इस स्कूल की 6 छात्राओं को गोल्ड मिला है। 69 वी राज्य स्तरीय शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता इंदौर में संपन्न हुई। जिसमें नर्मदापुरम संभाग की ओर से बैतूल जिले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भडूस की छात्राओं ने विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 6 स्वर्ण पदक प्राप्त कर चैम्पियनशिप जीती। खिलाडियों के कोच बलदेव अरोरा ने बताया कि अब ये छात्राएं नेशनल टूर्नामेंट के लिए 26 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक अरुणाचल प्रदेश के ईटा नगर में मप्र टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। बालिका वर्ग में 17 वर्ष की टीम में 86 सदस्य होते हैं। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भडुस की 4 लड़कियां शामिल हैं। प्रतियोगिता में भडूस की जिन लड़कियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया उनमें रेणुका रमेश साहू को 44 किग्रा में गोल्ड मेडल, पलक सुरेन्द्र परिहार को 48 किग्रा में गोल्ड मेडल, प्राची सुरेन्द्र परिहार को 53 किग्रा में गोल्ड मेडल, गरिमा महादेव कोसे को 58 किग्रा में गोल्ड मेडल, लक्ष्मी मुनेश साहू को 58 किग्रा में गोल्ड मेडल, रिविका भीम शर्मा को 69 किग्रा में गोल्ड मेडल, राधिका अशोक अमझरे को 63 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल, नंदिनी अशोक अमझरे को 63 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल, वंशिका हरीश पटेल को 77 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

बालिका क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

बैतूल। आगामी बालिका क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने एनसीए ग्राउंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदान की व्यवस्था, पिच की स्थिति और खिलाडियों के लिए की जा रही तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। इस अवसर पर अंबेडकर वार्ड के पार्षद एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती ताई बारस्कर से दूरभाष पर चर्चा की गई है। श्री राठौर ने कहा कि नगरपालिका प्रशासन द्वारा मैदान की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हैं और जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। गौरतलब है कि 9 नवंबर से 14 नवंबर तक बैतूल में पहली बार आयोजित हो रहे इस राष्ट्रीय बालिका क्रिकेट टूर्नामेंट में देशभर की आठ टीमें हिस्सा लेंगी। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण को समर्पित है। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर ने बताया कि महिला भागीदारी को सुनिश्चित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए नगरपालिका सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पंख फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट बालिकाओं को खेलों से जुडने और अपने नगर एवं देश का नाम रोशन करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा।

नाबालिग छात्रा से स्कॉर्पियो में सामूहिक दुष्कर्म

दो आरोपी गिरफ्तार, वाहन चालक फरार

बैतूल/आमला। आमला थाना इलाके में नौवीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। छात्रा स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही थी, तभी 3 बदमाशों ने स्कॉर्पियो में लिफ्ट दी और फिर सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस को संदिग्ध हालत में मिली पीड़िता की शिकायत पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ड्राइवर फरार है। पीड़िता आमला रेलवे स्टेशन पर बैठी मिली थी। वह रात भर स्टेशन पर बैठी रही। दूसरे दिन शनिवार को भी स्टेशन के वेटिंग हॉल में ही बैठी मिली, तो पुलिस का शक गहराया। पूछताछ करने पर उसने आपबीती बताई। इसके बाद पीड़ित के परिजन को बुलाकर शनिवार रात को केस दर्ज कराया। एडिशनल एसपी कमला जोशी के मुताबिक, पीड़िता 31 अक्टूबर से लापता थी, लेकिन परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई थी। पुलिस के मुताबिक, छात्रा को लिफ्ट देकर आरोपी आमला के एक इलाके की ओर ले गए। पीड़िता ने जब गलत रास्ते पर ले जाने का विरोध किया, तो आरोपियों ने कार खराब होने का बहाना बनाया। वे शाम होने का इंतजार करते रहे। अंधेरा होने पर उन्होंने बारी-बारी से स्कॉर्पियो में ही नाबालिग से दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे रेलवे स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वाहन चालक ड्राइवर फरार हो गया है।

मप्र स्थापना दिवस पर आयुष विभाग ने लिया सेवा का संकल्प

माह नवंबर की मासिक समीक्षा बैठक का किया आयोजन

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पूरे उल्लासपूर्वक मनाया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के मार्गदर्शन में माह नवंबर की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के समस्त संस्था प्रभारी आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी तथा होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर द्वारा निर्देश दिए गए, कि सभी अधिकारी एक्स ट्विटर पेज पर बैतूल कलेक्टर के अधिकृत पेज को फॉलो करें, ताकि शासन स्तर की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समय पर प्राप्त हो सके। डॉ योगेश चौकीकर ने समस्त अधिकारियों को मुख्यालय में निवास करने तथा आगंतुकों के साथ सद्भावपूर्ण व्यवहार रखने के निर्देश दिए। जिले की सभी 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक चिकित्सा अधिकारियों को अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने और एनएबीएच प्रोटोकॉल के पालन हेतु विशेष रूप से समझाइश दी गई। इसके साथ ही सिकल सेल रोगियों से संपर्क कर उन्हें औषधि वितरण करने तथा स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। आयुष विभाग द्वारा स्थापना दिवस पर सेवा, अनुशासन, संवेदनशीलता और जन-स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प लिया गया।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए सतपुड़ा वैली स्कूल के विद्यार्थी

बैतूल। सतपुड़ा वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बैतूल का नाम रोशन किया। स्कूल की बास्केटबॉल टीम अंडर-14 बालिका वर्ग की छात्राएं आर्ची पांडे, कनिका राठौर, वेदिका वर्मा और अमीशा सोनी ने शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता की। वहीं खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में वैभव रघुवंशी ने भाग लिया। एथलेटिक्स में आयुष यादव ने सागर में सहभागिता की। सांस्कृतिक विधाओं में भी स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय कला महोत्सव में स्कूल की छात्रा आख्या श्रीवास्तव ने एकल गायन में भाग लिया और तबला वादन में सर्वार्थ दुबे ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कैंब्रिज विंग की तोषिता चंदेल ने विश्व रंग अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 में सहभागिता कर स्कूल का मान बढ़ाया। सभी छात्रों की उपलब्धि पर स्कूल निर्देशिका श्रीमती दीपाली निलय डागा, स्कूल प्राचार्य श्रीमती ऋतु बाजपई, स्कूल प्रबंधक शिवशंकर मालवीय एवं सतपुड़ा परिवार ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धार जिले की अंडर-23 क्रिकेट टीम घोषित

धार। इंदौर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा जो खंडवा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जाएगी। इस हेतु धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 1 नवंबर को उदय रंजन क्लब मैदान पर चयन ट्रायल आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि विनोद मित्तल व्यवसायी मौजूद थे। अंडर-23 की क्रिकेट टीम का चयन मुख्य चयनकर्ता प्रमोद फाटक, आलोक दुबे,प्रमोद शर्मा, धीरेन्द्र दिघे,मोइजुरहमान ने किया। चयन स्पर्धा में जिले की समस्त तहसीलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया चयनित टीम इस प्रकार है । प्रभात शर्मा(कप्तान),योगेश डाबर (मांगोद), विशेष मर्स्कुले(पीथमपुर), रोहित काजले(पीथमपुर),गोविन्द वर्मा,हर्ष मालवीय,मधुर जवलकर,युवराज आर्यन चंदेल,आदर्श जाट,दीपक कुशवाह, लक्षित बघेल, आदित्य भुर्रा,दीपक सिंह,निलेश। खंडवा दौरे हेतु टीम के कोच आलोक दुबे एवं मैनेजर स्वराज तड़वाल रहेंगे ।चयनित टीम को एसोसिएशन के चेयरमैन करन सिंह पवार, अध्यक्ष प्रदीप जोशी, सचिव राजेन्द्र सिंह चौहान ,उपाध्यक्ष धीरेंद्र दीघे, विनोद मित्तल, डॉ अजेश माइकल,अमित जैन,युनुस खान धरमपुरी आदि ने बधाई प्रेषित की । यह जानकारी एसोसिएशन के प्रवक्ता कुशल शर्मा ने दी।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर सजी सांस्कृतिक संध्या, 'भारत का हृदय मध्यप्रदेश गान' ने बांधा समा

धार। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज के सभागृह में भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। रंगारंग प्रस्तुतियों से सजी इस संध्या में 'भारत का हृदय-मध्यप्रदेश गान' ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और गौरव के भाव से ओतप्रोत कर दिया। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, लोकगौरव और प्रतिभा का संगम बना यह समारोह न केवल रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा, बल्कि 'प्रदेश की आत्मा और गौरव का प्रतीक' बनकर अविस्मरणीय बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नूपुर कला केंद्र की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत 'मध्यप्रदेश गान' से हुई, जिसमें यह संदेश दिया गया कि 'भारत का हृदय है मध्यप्रदेश' – जहां विंध्याचल का भाल है, नर्मदा का कलकल जल जीवनदायिनी बनकर बहता है, शिप्रा का अमृतकुंड है, और महाकाल के तिलक से पावन यह भूमि अपनी अनोखी पहचान रखती है। इसके बाद कलाकारों प्रगति अग्रवाल, शिवन्या डोड, मानवी डोडिया, गरिमा वर्मा, विधि चौधरी, अर्पिता गौतम, विधि बुंदेला, वेंदिका वड़नेरकर और ईशान श्रीवास्तव ने मनमोहक नृत्य व गायन प्रस्तुतियां दीं। उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

तालियों की गूंज से सभागृह कई बार गुंजायमान हुआ। स्थानीय कलाकारों की लोक प्रस्तुतियों ने क्षेत्रीय संस्कृति का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया।सीएम राइज स्कूल धार की बालिकाओं द्वारा दी गई प्रस्तुति 'म्हारो प्यारो मध्यप्रदेश' और आदिवासी नृत्य को दर्शकों के खूब सराहा। संगीतमय संध्या को और भावपूर्ण बनाने में गायक कीर्तेश शुक्ला, यश कोशिक शर्मा और उनकी टीम ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 'मेरा मध्यप्रदेश है', 'तेरी मिट्टी में मिल जावां' और 'ज़िन्दगी मौत ना बन जाए' जैसे गीतों के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, मातृभूमि और लोकगौरव का भावपूर्ण चित्रण किया।

जिले की विशिष्ट प्रतिभाएं सम्मानित – इस अवसर पर जिले की विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तित्वों में पद्मश्री भगवतीलाल राजपुरोहित (प्रख्यात इतिहासवेत्ता और लेखक), अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी सौरभ वर्मा, समीर वर्मा, प्रियांशु राजावत, तथा अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया एवं श्रेष्ठा सिंह सिसोदिया (कोद, बदनावर) शामिल रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, एसपी मयंक अवस्थी, सीईओ अभिषेक चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोडाने, पूर्व सांसद छतरसिंह दरबार, चंचल पाटीदार सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव हुआ

धार। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज का अन्नकूट महोत्सव आंवला नवमी को समाज के श्री राम श्याम विश्वकर्मा मंदिर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान श्रीराम दरबार, श्री विश्वकर्मी जी, माता लक्ष्मी जी एवं श्री खाटु श्याज जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। शाम को समाज के सभी सदस्यों ने भगवान की आरती करती ओर अन्नकूट का भोग लगाया। इसके पश्चात सभी अन्नकूट की भोजन प्रसादी ग्रहण की। अन्नकुट कार्यक्रम को समाज के पं. अंकित शुक्ला द्वारा विधिविधान से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के सुदामा शर्मा, जगदीश शर्मा, पवन शर्मा, चिंतामन शर्मा, राधेश्याम शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, श्री राम शर्मा, सहदेव शर्मा, बाबूलाल शर्मा, दिनेश शर्मा, गौरव शर्मा, संजय शर्मा, राहुल, रवि, पंकज, लक्ष्मीनारायणजी, अशोक शर्मा, पप्पू शर्मा, उज्जवल शर्मा, भगवती शर्मा और समाज की समस्त महिला मंडल ने कार्यक्रम को सफल बनाया। जानकारी लोकेश शर्मा ने दी।

एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला आयोजित

शासकीय कर्मचारियों में सकारात्मकता एवं आनंद विकसित करना था कार्यशाला उद्देश्य

सीहोर (निप्र)। जन अभियान परिषद् और आनंद विभाग द्वारा शासकीय कर्मचारियों में सकारात्मकता का विकास और आनंद की अनुभूति कराने के उद्देश्य से सीहोर जनपद पंचायत कार्यालय में एक दिवसीय अल्प विराम कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कर्मचारियों को बताया गया कि शारीरिक क्षमता के साथ साथ मानसिक क्षमता पर भी कार्य करने की आवश्यकता है। हमारे जीवन में यह आवश्यक है कि हम सभी स्वयं के भीतर झांके एवं देखें कि हमारी क्षमता एवं नजरिया क्या है। क्या इसे हम अपनी नकारात्मकता, अवसाद, चिंता इत्यादि को हटा पा रहे है एवं तनाव मुक्त आनंद पूर्ण जीवन के लिए आगे बढ़ पा रहे है। यदि हम मानसिक तनाव मे होते है तो हम अपना शत प्रतिशत नही दे पाते है इसलिए अवसाद को त्याग करें, यही अल्पविराम का ध्येय भी है। कार्यशाला में बताया गया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने उत्तरदायित्व को सकारात्मक भाव से करें। अपने कार्यों से लोगों को आनंदित करने का काम करें। हमें आनंदित होकर शासन की सारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना है। खुशी और आनंद अलग अलग हैं। खुशी क्षणिक होती है जबकि आनंद शास्वत और स्थायी होता है। इस अवसर पर एकता दिवस के उपलक्ष्य में सभी कर्मचारियों को एकता की शपथ भी दिलाई गई। इस अल्पविराम कार्यशाला में सीहोर विकासखंड के महिला बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, जन अभियान परिषद् सहित अन्य विभाग के 60 से अधिक अधिकारी/कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य, जिला समन्वयक श्रीमती पारुल उपाध्याय, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल, विकासखंड समन्वयक श्री प्रदीप सिंह सेंगर, मास्टर ट्रेनर श्री मंगलेश जायसवाल, श्री राकेश शर्मा, सुश्री बबली शर्मा सहित अन्य सदस्य एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नहरों की गुणवत्तापूर्ण ग्रेडिंग कर मरम्मत की कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण करें

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने गुरूवार को जिले के पलासनेर, मसनगांव, भिरंगी, नादंवा ग्रामों का दौरा कर नहरों की सफाई एवं मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने रबी फसल के लिए किसानों को सुगम रूप से सिंचाई उपलब्ध कराने हेतु तवा जलाशय से पानी आपूर्ति की कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतिम छोर तक के किसानों को भी सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने नहरों की गुणवत्तापूर्ण ग्रेडिंग कर सभी छोटी-बड़ी मरम्मत कार्यवाही समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर सिंचाई के लिए जलापूर्ति की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के सुझाव प्राप्त किए। इस अवसर पर एसडीएम हरदा श्री अशोक डेहरिया, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्रीमती सोनम वाजपेयी, सहायक यंत्री जल संसाधन विभाग श्री मौसम पोर्ते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम चौपाल में आवेदन देने के कुछ घण्टों बाद ही पात्रता पर्ची मिलने से खुश हैं अनीता बाई

रायसेन (निप्र)। जिले के औबेदुल्लागंज जनपद के ग्राम हर्रई में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अगुवाई में लगी ग्राम चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं, आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर निराकरण किया गया। हर्रई निवासी श्रीमती अनीता बाई ग्राम चौपाल में खाद्यान्न पात्रता पर्ची बनवाने हेतु आवेदन देने के कुछ घण्टों बाद ही खाद्यान्न पात्रता मिलने से बेहद खुश हुई। उन्हें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान की गई। श्रीमती अनीता बाई ने कहा कि जब पात्रता पर्ची लेने के लिए उनका नाम पुकारा गया तो उन्हें भरोसा नहीं हुआ, लेकिन दोबारा बुलाने पर उन्हें भरोसा हुआ और राशन पर्ची मिलते ही उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। श्रीमती अनीता बाई ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उन्हें भी शासकीय उचित मूल्य दुकान से हर महीने राशन मिलने लगेगा।

एसडीएम ने किया बीएलओ एवं सुपरवाईजर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार मतदाता सूचि के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जिले की बुधनी विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आष्टा एसडीएम श्री नितिन टाले ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली तथा सभी बीएलओ एवं सुपरवाईजर्स को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम श्री टाले ने निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए और अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाए जाने चाहिए। उन्होंने सभी बीएलओ से कहा कि वे घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों को सही-सही भरवाएं, मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बीएलओ अपने सुपरवाइजरों से नियमित संपर्क बनाए रखें और प्रतिदिन की प्रगति की जानकारी दें। फॉर्म-6, 7 और 8 की प्रविष्टियाँ समयसीमा के भीतर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित तिथियों और दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

डायग्नोस्टिक दल ने खेतों का भ्रमण कर दी सलाह

हरदा (निप्र)। कृषि भिाग के डायग्नोस्टिक संयुक्त दल ने गुरूवार को विकासखंड हरदा के ग्राम सिरकंबा, बरखेड़ी, झुंडगांव, झाड़पा, दुलिया एवं गहाल के किसानों के खेत का भ्रमण कर भारतीय किसान संघ के साथ समन्वय स्थापित किया। डायग्नोस्टिक दल में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश कुमार बंकोलिया, कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख डॉ संध्या मुरे, अनुविभागीय अधिकारी कृषि हरदा सुश्री रचना पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुश्री संगीता डावर एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्री जितेन्द्र मंडलोई उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बैतूल में एकता दौड़ का आयोजन

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके ने दिलाई एकता की शपथ, दिखाई हरी झंडी

बैतूल (निप्र)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस पूरे देशभर में मनाया जा रहा है। इसी अवसर पर बैतूल जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री (जनजातीय कार्य) श्री दुर्गादास उईके उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री श्री उईके ने सभी उपस्थितजन को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ का शुभारंभ किया।अपने उद्बोधन में श्री उईके ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार थे, जिनके अद्वितीय प्रयासों से भारत एक सशक्त और अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश उनके योगदान को नमन कर रहा है। एकता दिवस के ये कार्यक्रम प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति, एकजुटता और संगठन की भावना को और सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सबके संगठित प्रयासों से वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाना है, यही प्रेरणा हमें सरदार पटेल के आदर्शों और आज के इस एकता दिवस से प्राप्त होती है। यह एकता दौड़ पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारंभ होकर कारगिल चौक, जिला अस्पताल, कोठीबाजार पेट्रोल पंप, शिवाजी चौक होते हुए पुनः पुलिस ग्राउंड पर संपन्न हुई। दौड़ में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बैतूल श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, श्री सुधाकर पवार, श्री आनंद प्रजापति, पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2025

भारत निर्वाचन आयोग की निदेशक शुभ्रा सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग की निदेशक शुभ्रा सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त जिलों के कलेक्टर तथा निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी मतदाताओं की मैपिंग की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सुविधा के लिए गणना प्रपत्र को भरे जाने के लिए बीएलओ को उचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। साथ ही उन्होंने यह निर्देश भी दिए की गणना प्रपत्र को वितरण की कार्यवाही के उपरांत प्रपत्रों के वापस प्राप्त किए जाने की कार्यवाही की भी नियमित रूप से समीक्षा की जाती रहे। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बीएलए की नियुक्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। निदेशक द्वारा यह निर्देश भी दिए गए की पात्र मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो जिला निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करते हुए सभी बीएलओ का उन्मुखीकरण करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया है प्रत्येक जिला निर्वाचन अधिकारी इसे गंभीरता पूर्वक लेते हुए इसे संपन्न करवाएं। विशेष रूप से मैपिंग और गणना प्रपत्र के वापसी की नियमित रूप से समीक्षा करें। वीसी के दौरान उन्होंने कहा कि सभी जिले निर्वाचन अधिकारी बीएलओ एप का आवश्यक रूप से अवलोकन एवं परीक्षण कर लें तथा यह भी सुनिश्चित करें कि अधूरे एवं गलत अद्यतन किए गए गणना प्रपत्र वापस न आए। प्रक्रिया की पूरी जानकारी मतदाताओं को उपलब्ध कराने के लिए आवश्यकता पड़ने पर नगरीय क्षेत्र में अधिक से अधिक हेल्प डेस्क बनाए जाएं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे तथा डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला भी उपस्थित रहीं। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने गत बैठक में चिन्हित हॉट स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु दिए गए निर्देशों के अनुरूप अभी तक की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डे ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेते हुए कहा कि ओवरलोड तथा तेज गति से वाहन चलाने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने वर्तमान वर्ष में अभी तक हुई सड़क दुर्घटनाओं की संख्या, इन दुर्घटनाओं में घायलों तथा मृतकों की जानकारी ली और दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत चर्चा कर रोकथाम हेतु गंभीरतापूर्वक आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिला परिवहन अधिकारी को स्कूल बसों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राहवीर योजना के प्रकरणों की भी जानकारी ली गई। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, यातायात प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150 जयंती पर एकता का संकल्प

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला पंचायत नर्मदापुरम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 जयंती के अवसर पर एकता का संकल्प का वाचन जिला पंचायत के सीईओ हिमांशु जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने दोहराते हुए एकता का संकल्प लिया और सरदार पटेल को कोटि-कोटि नमन अर्पित की। एकता का संदेश सरदार पटेल जी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने भारत को एक एकीकृत राष्ट्राप में स्थापित किया।

कमिश्नर की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय में ली गई शपथ

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिलेभर में ली गई एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ

नर्मदापुरम (निप्र)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वि जयंती के अवसर पर एकता अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिले भर में शपथग्रहण समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय परिसर में कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की उपस्थिति में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे द्वारा दिलाई गई। इस दौरान संयुक्त आयुक्त श्री जीसी दोहर, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, डिप्टी कलेक्टर श्री बृजेन्द्र रावत सहित कलेक्टर कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल द्वारा कमिश्नर कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई। 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में कार्यालय प्रमुख द्वारा समस्त स्टाफ को भी अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का प्रयास करने की शपथ दिलाई। साथ ही यह शपथ देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने की भी शपथ समस्त अधिकारियों एवम कर्मचारियों ने ली। जिले के अन्य कार्यालय में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली एकता दिवस पर शपथ इसी क्रम में एसडीएम कार्यालय पिपरिया में एसडीएम श्री आकिप खान ने समस्त स्टाफ को एकता दिवस की शपथ दिलाई।

झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध छापा मार करवाई, तीन क्लिनिक सील किए गए

सीहोर (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिल द्वारा श्यामपुर सीबीएमओ डॉ नवीन मेहर के नेतृत्व में टीम गठित कर झोलाछाप अवैध 7 क्लीनिक पर कार्यवाही की गई जिसमें अहमदपुर में दो क्लीनिकों को सील किया गए एवं समान जब्त किया गया च.च. विश्वास को इलाज करते पाया गया इनके पास मरीज पाए गए तथा पूछने पर डिग्री, क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन तथा कोई भी एलोपैथिक दवाई देने का कोई दस्तावेज नहीं पाया गया। चद्धय. विश्वास का कहना है कि मेरे पाप हाई कोर्ट का आदेश है परन्तु इस प्रकार का कोई भी आदेश च.च-विश्वास द्वारा नहीं दिखाया गया।

उनका क्लीनिक पर सील बन्द कार्यवाही की गई 'एवं पर्वत सिंह ग्राम अहमदुपुर में ही पर्वत सिंह दांगी की भी क्लीनिक पर छापामार कार्यवाही की गई जिसमें पर्वतसिंह दांगी का क्लीनिक पर सहायक भगवत साहू इलाज करते पाया गया। इनके पास भी कोई भी वैद्य डिग्री एवं दस्तावेज नहीं पाए गए। म्लीनिक के मालिक पर्वत सिंह दांगी जो कि मुख्य इलाजकर्ता है।, उनके कागज एवं डिग्री की भी पूछतास की गई किन्तु नहीं बताया गया। पर्वत सिंह दांजी को बाद-बार बुलाने पर नहीं आए। ऐलोपैथी इलाज की दवाईया एवं समान जब्त कर क्लीनिक को सील बन्द कर कार्यवाही की गरे। तत्पश्चात वहाँ से आगे की कार्यवाही के लिए ग्राम चरनाल जाया गया वहाँ पर एक बंगाली डॉक्टर जिनका नाम वपन ञ्च.च. विश्वास (तपन कुमार विश्वास) बताया गया जो कि अपनी किलीनिक पर इलाज करते हुए पाए गए थे। पूछने पर उनके द्वारा इलाज करने हेतु या चिकित्सा व्यवसाय हेतु किसी भी प्रकार का वैद्य डिग्री या दातावेज नहीं बताया गया एवं उनके म्लीनिक पर कॉफी मात्रा में रैलीपैथी इलाज हेतु एलोपेथिक दवाईयाँ एवं उपकरण प्राप्त हुई। उनके द्वारा ग्रामवासियों को बुलाया गया जिससे शासकीय काम में बाधा उत्पन्न कराया गया एवं टीम को धमकियाँ दिलवाई गई तथा का सील बन्द और आगे की कार्यवाही करने से रोका गया। इस सम्बन्ध में तुरन्त टीम की मदद के लि लिए थाना अहमदपुर पुलिस अधीक्षक सीहोर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीहोर को तत्काल दूरभाष मोबाइल पर मदद सम्बंधी आग्रह किया गया। एवं जिला दण्डाधिकारी महोदर सीहोर की भी दूरभाष सूचित किया गया। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय सीहोर को जाँच प्रतिवेध प्रस्तुत करते हुए उपरोत चिकित्मा व्यवासीयो (झोलाछाप) डॉक्टर के विरुध स्त्रद्धक्रकार्यवाही वैधानिक एवं शासकीय निषेधात्मक कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

श्योपुर में फसलें बर्बाद, शिवराज से मिले भाजपा नेता

कृषि मंत्री बोले- मैं किसानों के साथ हूं, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- विधायक ने दिखावे के लिए पूड़ियां तलीं

भोपाल (नप्र)। पिछले हफ्ते हुई बेमौसम बारिश से चंबल-ग्वालियर क्षेत्र सहित एमपी के कई हिस्सों में फसलें खराब हो गई। श्योपुर जिले में धान की तैयार फसल बारिश में बह गई। इसे लेकर श्योपुर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाट किसानों के साथ भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले। शिवराज ने किसानों को पूरी मदद करने का आश्वासन दिया है। वहीं, सुरेंद्र सिंह ने सोई गांव में कांग्रेस विधायक द्वारा मजदूरों के लिए पूड़ियां तलने और भोजन कराने वाले वीडियो पर पलटवार किया है।

मैं बीमा कंपनियों को बुलाऊंगा- किसानों को वीडियो मैसेज में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि असमय वृष्टि से आपकी फसलें बर्बाद हुई हैं। मेरा मन भी व्यथित है। मुझे विश्वास है राज्य सरकार सर्वे करके यहां भी राहत का इंतजाम करेगी।

भाई-बहनों ने फसल बीमा करवाया है। क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के बाद क्षति का आकलन होकर जैसे ही दिल्ली पहुंचेगा। मैं तुरंत फसल बीमा कंपनी को बुलाऊंगा और नुकसान के हिसाब से फसल बीमा योजना का आपको लाभ मिलेगा। आपकी तकलीफ कम कर सकूं, इसमें कोई कसर नहीं छोडूंगा। संकट की घड़ी में आपके साथ हूं।

27 अक्टूबर को सोई गांव में मजदूरों को भोजन कराने के लिए कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का पूडियां सेंकने का वीडियो सामने आया था। इस वीडियो को लेकर बीजेपी नेता जंडेल पर दिखावे की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं।

सुरेंद्र सिंह जाट ने कहा तीन दिन से लगातार बारिश होने के कारण श्योपुर में किसान की धान की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई। किसान बहुत दुखी हैं। हम लोग लगातार किसानों के बीच में जाते रहे हैं। मैं भोपाल आया हूं। मुख्यमंत्री जी से भी हमें मिलना हैं और विधानसभा अध्यक्ष जी से भी इस विषय में चर्चा करनी हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मेरी मुलाकात हुई हैं। उन्होंने आश्वस्त किया हैं कि पूरी मध्यप्रदेश सरकार किसानों के साथ है। मुआवजे की प्रक्रिया बहुत तेजी के साथ चल रही है। जैसे ही ये प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बीमा किसान क्रेडिट कार्ड में बहुत सारे किसान बीमा कराते हैं, लेकिन कई बार कंपनियां अपना लाभ देखकर उनको पैसे देती नहीं हैं। शिवराज जी ने आश्वस्त किया है कि जैसे ही सर्वे की प्रक्रिया पूरी होकर प्रदेश से केंद्र को जाएगी, मैं बीमा कंपनियों के साथ आपकी और प्रशासन की बैठक कराऊंगा। पूरी ताकत के साथ मुआवजा दिलाने और बीमा कंपनियों से किसानों को पैसा दिलाने के लिए प्रयत्न करूंगा। उन्होंने आश्वस्त किया हैं कि संकट की घड़ी वे किसानों के साथ हैं।

जबलपुर में सरयू के तर्ज पर विकसित होगा नर्मदा तट

पीडब्ल्यूडी मंत्री बोले- वर्तमान घाट क्षेत्र अत्यधिक भीड़भाड़ वाला, 6 घाट आपस में जुड़ेंगे, सीएम करेंगे भूमिपूजन

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में मां नर्मदा के तटों को अब सरयू की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसका भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह जानकारी लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रविवार को पत्रकारवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की हर लहर में आस्था, संस्कृति और जीवन की धारा बहती है। जबलपुर का गौरीघाट मां नर्मदा की गोद में स्थित है, जहां की शांत लहरें श्रद्धालुओं को शांति और शक्ति दोनों प्रदान करती हैं। यहां स्नान, पूजा और ध्यान की गहरी पवित्रता समाई हुई है।

राकेश सिंह ने कहा कि गौरीघाट केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक पर्यटन का गौरव भी है। इसी कारण नर्मदा तट के घाटों को सरयू नदी के घाटों की तर्ज पर सुंदर और सुसज्जित रूप में विकसित किया जाएगा।

मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यातायात अव्यवस्थित- मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि वर्तमान में नर्मदा घाट क्षेत्र अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो गया है,

जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यातायात अव्यवस्थित रहता है, जो न केवल आवागमन में बाधा डालता है बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है। उन्होंने कहा कि घाटों पर पूजन सामग्री और अपशिष्ट फैले रहने से स्वच्छता प्रभावित होती है। इससे मां नर्मदा की पवित्रता और गरिमा को भी ठेस पहुंचती है।

पति को गोद में लिए चलती है महिला

5 फीट की टीना को ढाई फीट के रोहित से प्यार ; परिवार की मर्जी के बगैर की शादी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में ढाई फीट हाइट के रोहित को पांच फीट लंबी लड़की टीना से प्यार हो गया। प्यार परवान चढ़ा तो घर से भागकर शादी कर ली। शहर के नईपैठ में रहने वाले रोहित नागमोतिया (35) जन्म से ही दिव्यांग हैं। उनकी लव स्टोरी की शुरुआत 2016-2018 के बीच हुई। दोनों में फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए बातचीत शुरू हुई।

एक ही समाज का होने के कारण कई बार कार्यक्रमों में भी मुलाकात होने लगीं। फिर 2019 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रोहित ने टीना को प्रपोज कर दिया। इससे नाराज होकर टीना ने रोहित को ब्लॉक कर दिया था। ऐसे में रोहित ने कॉल किया और आगे से ऐसी कोई बात नहीं करने का वादा किया।

कुछ वक्त बाद फिर दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। आखिरकार टीना ने रोहित का प्यार कबूल कर उसे जिंदगी भर के लिए अपना लिया। रोहित चलने-फिरने में भी सक्षम नहीं है। ऐसे में नहाने से लेकर कपड़े पहनाने और दिनभर की दूसरी दिनचर्या में पत्नी टीना ही मदद करती है। उनकी 2 साल की एक बेटी भी है।

घर से भागकर दोनों ने शादी की- टीना नागमोतिया ने बताया कि मेरे पापा को जब हमारी लव स्टोरी के बारे में पता चला तो उन्होंने विरोध किया। रोहित ने भी अपने घर पर बताया। उन्हें भी विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद 4 मई को हम लोग घर से भागकर आष्टा पहुंच गए। यहां रोहित के दोस्तों की मदद से हमने कोर्ट मैरिज कर ली। कुछ दिन वहीं रहे। फिर घर लौट आए। यहां हमने सबको अपनी शादी के बारे में बता दिया। आखिरकार परिवार के लोग राजी हो गए। उनकी रजामंदी से 22 जून 2023 को उज्जैन के चिंतामन मंदिर में शादी की। इस मौके पर पूरा परिवार शामिल हुआ।

एक हाथ में पति, दूसरे हाथ में होती है बेटी- टीना ने रोहित के संघर्ष में अपना जीवन चुना। अब वो पति रोहित के हर काम में हाथ बंटाती है। बेटी होने के बाद जिम्मेदारी दोहरी हो गई है क्योंकि पति को भी बच्चे की तरह ही रखना होता है। टीना कहीं भी जाती है तो अपनी गोद में एक तरफ बेटी क्रियांशी और दूसरी तरफ पति रोहित को लेकर जाती है।

टीना रोजाना के काम में भी दोनों का पूरा ख्याल रखती है। बाजार जाने पर लोगों के ताने और घूरती हुई नजरों का सामना करना पड़ता है। लोग सोशल मीडिया पर अजीब-अजीब ताने देते हैं। परिवार के भी लोग पहले सुनाते थे, लेकिन अब नहीं।

दोनों की जोड़ी इंस्टाग्राम पर एक्टिव- रोहित और टीना के इंस्टाग्राम पर रोहित-टीना-नागमोतिया और टीना की टीना-रोहित नागमोतिया के नाम से अकाउंट हैं। दोनों सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। दोनों एक साथ बॉलीवुड गानों पर रील बनाते हैं। दोनों की खास जोड़ी ने सोशल मीडिया पर कम समय में धूम मचाई हुई है। इंस्टाग्राम पर रोहित के 5000 से अधिक फॉलोअर तो टीना के 6000 से अधिक फॉलोअर्स हैं।

मदरसे में मिले 20 लाख के नकली नोट

खंडवा में इमाम के कमरे में मिला बैग, महाराष्ट्र में दो आरोपी पकड़ाए थे

खंडवा (नप्र)। खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पैठियां (मछौड़ी रैय्यत) स्थित एक मदरसे में बड़ी मात्रा में नकली नोट मिलने से हड़कंप मच गया। मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात जुबेर पिता अशरफ अंसारी के कमरे से नकली नोटों के बंडल बरामद किए गए हैं। पुलिस ने नोटों की गिनती की तो 19 लाख 78 हजार रुपए के नकली नोट बरामद किए गए।

ऐसे हुआ खुलासा, फिर पुलिस पहुंची मदरसा- मामले का खुलासा तब हुआ जब मालेगांव पुलिस ने नकली नोटों के साथ जुबेर और उसके साथी नजीम अकम अयूब अंसारी को 10 लाख के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। मामला मीडिया में आया। इसके बाद जावर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने मीडिया रिपोर्ट्स में देखा कि दो में से एक आरोपी तो पैठियां गांव की मस्जिद का इमाम जुबेर है।

उसने जावर पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद पुलिस पैठियां गांव पहुंची और वहां लोगों से पूछताछ की। उच्च अधिकारियों ने मालेगांव पुलिस से संपर्क किया तो पता चला कि, उन्होंने उसी जुबेर नाम के शख्स को पकड़ा है, जो पैठियां की मस्जिद का इमाम है।

इमाम ने किराये के कमरे में रखे थे नोट- इसके बाद जावर टीआई और थाने की टीम के अलावा सहित डीएसपी हेडक्वार्टर अनिल सिंह चौहान, टीआई सुलोचना गहलोद ने मदरसे में आरोपी जुबेर के कमरे की तलाशी। कई देर तक सर्चिंग की। तब जाकर एक बैग मिला। जिसमें करीब 16 लाख रुपए के नकली नोट मिलने का अनुमान है।

तस्करी का बड़ा नेटवर्क होने की आशंका- पुलिस के अनुसार, जुबेर मूल रूप से बुरहानपुर जिले के हरिपुरा क्षेत्र का निवासी है। वह मदरसे की ऊपरी मंजिल पर किराए के कमरे में रहता था। पुलिस को आशंका है कि तस्करी का बड़ा नेटवर्क यहां सक्रिय हो सकता है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर सप्लाई चेन व अन्य साथियों की जानकारी जुटा रही है।

मालेगांव पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा था- पैठिया की मस्जिद का इमाम जुबेर मूल रूप से बुरहानपुर का रहने वाला है। वहीं दूसरा आरोपी नजीम अकम अयूब अंसारी भी बुरहानपुर के रहने वाले है। ये दोनों नकली नोट लेकर मालेगांव की ओर जा रहे थे। मालेगांव तालुका पुलिस ने मुंबई-आगरा हाईवे पर होटल एवन के पास जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को दबोच लिया थी।

तलाशी में 10 लाख रुपए के नोट मिले

तलाशी में नकली नोटों के बंडल बरामद किए। जांच के दौरान दोनों के पास से 500 रुपए मूल्य के 2000 के नकली नोट (कुल 10 लाख रुपए), दो मोबाइल हैंडसेट और इमपेक्स कंपनी का एक चॉकलेट रंग का बैग कुल 10 लाख 20 हजार रुपए मूल्य का माल जब्त किया। नोटों की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह से नकली हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं 179, 180 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर दोनों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी में लिया है।

नमाज पढ़ाने का काम करता था आरोपी- पैठियां मस्जिद के सदर कलीम खान का कहना है कि जुबेर पिता अशरफ अंसारी पड़ोस के गांव बेनपुरा डोंगरी में नमाज पढ़ाने का काम करता था। उस गांव में कोई दूसरा इमाम आ गया तो जुबेर की छुट्टी हो गई। तब हमने जुबेर को एप्रोच किया और उसे हमारे यहां ले आए। वह बुरहानपुर का रहने वाला था, इसलिए उससे ज्यादा लिखा-पढ़ी नहीं की। सदर के अनुसार, आरोपी जुबेर को 3 महीने पहले ही पैठियां की मस्जिद में बतौर इमाम रखा गया था। 3 महीने के भीतर वह कई बार छुट्टी पर जा चुका था। पिछले महीने 26 अक्टूबर को जुबेर यह कहकर गया कि उसकी मां की तबीयत खराब है। इसलिए वह छुट्टी पर जा रहा है। तब से वह पैठियां नहीं लौटा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' कार्यक्रम में कलाकारों का मंच पर सम्मान किया।

कांग्रेस की पचमढ़ी में 10 दिन की पाठशाला शुरू

पब्लिक डीलिंग, बूथ मैनेजमेंट सीखेंगे 71 जिलाध्यक्ष, राहुल गांधी 9-10 को आएंगे

नर्मदापुरम (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के 71 जिला अध्यक्षों की 10 दिवसीय 'पाठशाला' आज (रविवार) से पचमढ़ी में शुरू हो रही है। रविवार सुबह से ही जिलाध्यक्षों का आगमन शुरू हो गया है और उनका पंजीयन चल रहा है। सुबह 11 बजे तक 71 में से 30 जिलाध्यक्षों का पंजीयन हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी आज 12 बजे पाठशाला में हिस्सा लेने पचमढ़ी पहुंच गए। वे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

प्रशिक्षण में अखिल भारतीय कांग्रेस के ट्रेनिंग इंचार्ज और सांसद सचिन राव 10 सदस्यीय टीम के साथ शनिवार को ही पचमढ़ी पहुंच गए थे। प्रशिक्षण एमपीटी होटल हाइलैंड में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को गोपनीय रखने के लिए होटल के गेट से केवल जिला अध्यक्षों और व्यवस्था में लगे लोगों को ही एंट्री दी जा रही है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी एक दिन के लिए पचमढ़ी आएंगे। वे जिला अध्यक्षों को संगठन को मजबूत करने के लिए नीति, रीति और उद्देश्यों से परिचित कराएंगे। बिहार चुनाव के पहले चरण के मतदान (6 नवंबर) के बाद 9 या 10 नवंबर के बीच राहुल गांधी पचमढ़ी पहुंचेंगे।

राहुल गांधी करेंगे जिलाध्यक्षों से वन-टू-वन

पचमढ़ी प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी न केवल जिलाध्यक्षों को संबोधित करेंगे, बल्कि उनसे वन-टू-वन भी करेंगे। जिसमें वे जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर बात कर सकते हैं।

1998 में भी पचमढ़ी में हुआ था चिंतन शिविर

कांग्रेस पार्टी का वर्ष 1998 में भी मप्र के पचमढ़ी में चिंतन शिविर आयोजित हुआ था। सोनिया गांधी के नेतृत्व में हुआ वह चिंतन शिविर कई चुनौतियों के बीच हुआ था। उस सत्र के बाद पार्टी चार साल बाद देश में सत्ता में लौटी थी। कांग्रेस इस प्रशिक्षण शिविर से भी ऐसी ही सकारात्मक संभावनाओं की तलाश कर रही है।

भोपाल चैंबर के चुनाव जनवरी में, घोषणा इसी महीने

20 नवंबर तक बन सकेंगे नए सदस्य ; फिर वोटर लिस्ट तैयार होगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) के चुनाव की प्रक्रिया इसी महीने नवंबर से ही शुरू हो जाएगी। वहीं, अगले साल जनवरी में चुनाव होंगे। यह जानकारी कार्यकारिणी की मासिक बैठक में दी गई।

मीटिंग में निर्णय लिया गया कि गतिविधि शुल्क जमा करने एवं नए सदस्य बनने के लिए 20 नवंबर तक की अवधि रहेगी। ताकि, ज्यादा से ज्यादा सदस्यता हो सके। वहीं, 25 नवंबर को चेंबर की ओर से आगामी चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी।

इसमें चुनाव की तारीख, चुनाव अधिकारी की नियुक्ति, परीक्षकों की नियुक्ति, नामांकन भरने की तिथि, मतदाता सूची का प्रकाशन आदि शामिल हैं। बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष आकाश गोयल, महामंत्री आदित्य जैन मन्या, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार बांगड़ भी मौजूद थे।

जनवरी के बीच में होंगे चुनाव- बैठक में बताया गया कि जनवरी-26 माह के मध्य में भोपाल चैंबर के चुनाव कराए जाएंगे।

एफडीआर और बचत खाते में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा- बता दें कि भोपाल चैंबर आर्थिक रूप से बहुत मजबूत हुआ है। वर्तमान में चैंबर के पास एफडीआर एवं बचत खाते को मिलाकर एक करोड़ एक लाख 85 हजार रुपए है।

अक्टूबर में सुर्खियों में रहा था चैंबर

अक्टूबर महीने में चैंबर काफी सुर्खियों में रहा था। 3 अक्टूबर की देर रात अध्यक्ष पाली ने अचानक अपना इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने महासचिव जैन को लेटर भी लिखा था। इसमें कहा कि 3 साल 9 महीने पहले मैंने पद ग्रहण किया था और तब से अभी तक पूर्ण रूप से अपना कार्य निभाया। आगामी चुनाव की तारीख 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच की घोषणा कर दी।

इस बात को 15 दिन गुजरने के बाद भी किसी भी कार्यकारिणी सदस्य ने चैंबर ऑफिस में उपस्थित होकर आगे की कार्रवाई करने में रुचि नहीं दिखाई। इस पर मैंने निर्णय लिया है कि आगामी चुनाव में मेरे ऊपर कोई दोषारोपण न हो, इसलिए पद से इस्तीफा देता हूं। मेरे 3 साल 9 महीने के कार्यकाल में देख लिया कि कोई भी कार्यकारिणी सदस्य किसी भी कार्य में कोई रुचि नहीं लेता है। महासचिव साहब आपने भी आज तक चैंबर ऑफिस में उपस्थित होकर कोई पत्र व्यवहार नहीं किया।

पाली के इस्तीफे के बाद कई बैठकों का दौर चला। इसके बाद उपाध्यक्ष गोयल को कार्यवाहक अध्यक्ष चुना गया।

इंदौर-जबलपुर संभाग में गिरेगा पानी ; भोपाल, ग्वालियर-उज्जैन में बादल छाएंगे

प्रदेश में अगले 3 दिन हल्की बारिश...फिर ठंड बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नवंबर में इस हफ्ते बारिश, बादल और गरज-चमक वाला मौसम रहेगा। खासकर अगले 3 दिन तक इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग के जिलों में हल्की बारिश होगी। रविवार को इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर और उज्जैन में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की तरफ दो लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) सिस्टम एक्टिव है, लेकिन प्रदेश में इनका असर कम रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में फिलहाल हल्की बारिश का दौर रहेगा, लेकिन भारी बारिश का कहीं भी अलर्ट नहीं है। पिछले तीन-चार दिन से एक्टिव सिस्टम शनिवार से कमजोर हुए हैं।

इन जिलों में बारिश होगी- मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, अलीराजपुर, धार,

बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बाकी जिलों में भी बादल छाए रहेंगे। भोपाल में शाम या रात में बारिश हो सकती है।

3 नवंबर से वेस्टर्न डिस्टरबेंस, प्रदेश में ठंड बढ़ेगी- 3 नवंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने का अनुमान है। एमपी में इसका 48 घंटे के बाद असर देखने को मिलेगा। उत्तरी हवाएं चलने से दिन में भी पारा लुढ़क सकता है।

अक्टूबर में 121 प्रतिशत बारिश ज्यादा, नवंबर में तेज ठंड का ट्रेंड- प्रदेश में नवंबर महीने में पिछले 10 साल से ठंड के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। वहीं, बारिश के लिहाज से अक्टूबर का महीना उम्मीदों पर खरा उतरा है। औसत 2.8 इंच पानी गिर गया, जो सामान्य 1.3 इंच से 121 प्रतिशत ज्यादा है।

वहीं, भोपाल में दिन ठंडे रहे। 30 अक्टूबर को दिन का तापमान 24 डिग्री रहा। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले 25 साल में अक्टूबर का यह सबसे ठंडा दिन रहा। उज्जैन, छतरपुर, नरसिंहपुर समेत कई शहरों में पारा 24 डिग्री के नीचे ही रहा।